



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (I)
PART II—Section 3—Sub-section (I)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 118]
No. 118]

नई दिल्ली, मंगलवार, मार्च 20, 2007/फाल्गुन 29, 1928
NEW DELHI, TUESDAY, MARCH 20, 2007/PHALGUNA 29, 1928

पोत परिवहन, सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय

(पोत परिवहन विभाग)

(पत्तन-स्कंध)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 20 मार्च, 2007

सा.का.वि. 209(अ).—महापत्तन न्यास अधिनियम, 1963 (1963 के अधिनियम सं. 38) की धारा 124 की उपधारा (1) के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 123 के खंड (ट) से (ब) तक द्वारा प्रदत्त अधिकार प्रयुक्त करके, जवाहर लाल नेहरू पत्तन न्यास के न्यासी-बोर्ड द्वारा बनाई गई और दिनांक 7 सितम्बर, 2006 की अधिसूचना सं. ए/पी ई/आर-01/05/3021 तथा दिनांक 14 सितम्बर, 2006 की अधिसूचना सं. ए/पीई/आर-01/05/3021 द्वारा महाराष्ट्र की राज्य सरकार के राजपत्र में प्रकाशित की गई, इस अधिसूचना से उपाबद्ध अनुसूची में यथा विनिर्दिष्ट, खतरनाक माल (जवाहर लाल नेहरू पत्तन न्यास में आगमन, प्राप्ति, परिवहन, प्रहस्तन और भण्डारण) विनियमावली, 2007 को एतद्वारा, अनुमोदित करती है।

2. उक्त विनियमावली, सरकारी राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से लागू होगी।

अनुसूची-I

खतरनाक माल (जवाहर लाल नेहरू पत्तन न्यास में आगमन, प्राप्ति, परिवहन, प्रहस्तन और भण्डारण)
विनियमावली, 2007

1. संक्षिप्त नाम और प्रारंभ—(1) इस विनियमावली का नाम “खतरनाक माल (जवाहर लाल नेहरू पत्तन न्यास में आगमन, प्राप्ति, परिवहन, प्रहस्तन और भण्डारण) विनियमावली, 2007” होगा।

(2) यह विनियमावली सरकारी राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख के 30 दिनों के पश्चात् लागू होगी।

(3) इस विनियमावली में शामिल कोई भी बात वाणिज्य पोत परिवहन अधिनियम, 1958, विस्फोटक अधिनियम, 1884, पेट्रोलियम अधिनियम, 1934, ज्वलनशील पदार्थ अधिनियम, 1952, पर्यावरण संरक्षण अधिनियम, 1986 डॉक कर्मकार (सुरक्षा, स्वास्थ्य तथा पर्यावरण) अधिनियम, 1986, कीटनाशी अधिनियम, 1968, परमाणु ऊर्जा अधिनियम, 1962, लोक दायित्व अधिनियम, 1991, केन्द्रीय मोटर यान अधिनियम, 1988 और उसके तहत बने नियमों, विनियमों या अन्य सांविधिक नियमों तथा विनियमों के महत्व को कम नहीं करेगी।

2. परिभाषाएं— जब तक संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो तब तक इस विनियमावली में,—

(क) “अधिनियम” अर्थात् महापत्तन न्यास अधिनियम, 1963 (1963 का अधिनियम सं. 35)

(ख) “मंडल” से जवाहर लाल नेहरू पत्तन न्यास का न्यासी मंडल अभिप्रेत है;

- (ग) "अध्यक्ष" से जवाहरलाल नेहरू पत्तन न्यास के न्यासी मंडल के अध्यक्ष और उनके स्थान पर कार्य करने के लिए नियुक्त कोई व्यक्ति अभिप्रेत है;
- (घ) "मुख्य प्रबंधक (प्रचालन)" से केन्द्र सरकार द्वारा नियुक्त प्रचालन विभाग के अध्यक्ष और उनके प्राधिकार में कार्य करने वाले कोई अन्य अधिकारी अभिप्रेत हैं;
- (ङ) इस विनियम के लिए "सक्षम प्राधिकारी" से आशय है जवाहर लाल नेहरू पत्तन न्यास के न्यासी मंडल द्वारा इस विनियमावली के प्रावधानों को लागू करने के लिए नियुक्त अधिकारी;
- (च) "खतरनाक माल" से आशय है ऐसा माल जो अपनी विस्फोटकता, ज्वलनशीलता, रेडियोधर्मिता, विषैलेपन, संक्षारण जैसे गुणों या ऐसी अन्य विशेषताओं के कारण प्रहस्तन, परिवहन, नौवहन या भण्डारण के दौरान चोट पहुँचा सकता है या मानव शरीर पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकता है या जान-माल की हानि कर सकता है और जिसे किसी अंतरराष्ट्रीय या राष्ट्रीय मानक द्वारा इस प्रकार वर्गीकृत किया गया हो और जिसमें सक्षम प्राधिकारी द्वारा खतरनाक माल के रूप में निर्दिष्ट अन्य माल भी शामिल हैं। इसमें ऐसे खाली पैकेज (जैसे टैंक, कंटेनर, पात्र, इंटरमीडिएट बल्क कंटेनर, बल्क पैकेज, पोर्टेबल टैंक या टैंक वाहन) भी शामिल हैं जिनमें पहले खतरनाक माल रखा गया था, जब तक उनमें से खतरनाक माल के अवशेष को अच्छी तरह साफ नहीं किया जाता और वाष्प पूरी तरह से निकाल नहीं दी जाती जिससे कि उसका खतरा नष्ट हो जाए या उसमें अन्य गैर-जोखिमी, साधारण सामग्री न रख दी जाए;
- (छ) "उपाध्यक्ष" से पत्तन के न्यासी मंडल के उपाध्यक्ष और ऐसा व्यक्ति अभिप्रेत है जिसे उसके स्थान पर कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया हो;
- (ज) "उप-संरक्षक" से केन्द्र सरकार द्वारा नियुक्त समुद्री विभाग के अध्यक्ष और उनके प्राधिकार में काम करने वाले व्यक्ति अभिप्रेत हैं;
- (झ) "माल निकालना" से कंटेनर से माल निकालना अभिप्रेत है;
- (ट) "आपातकालीन प्रक्रिया" से खतरनाक माल का परिवहन करने वाले जहाज के लिए आपातकालीन प्रक्रिया अभिप्रेत है;
- (ठ) "प्रहस्तन" से आशय है जलयान, रेलवे वैगन या वाहन से/पर खतरनाक माल उतारना/चढ़ाना और भण्डारण क्षेत्र तक/से/में खतरनाक माल लाना-ले जाना और/या जलयान के अंदर और जलयान के बीच यानांतरण तथा पत्तन क्षेत्र में अन्य सहायक प्रचालन जिनमें फ्रेट कंटेनर में माल भरना या खाली करना शामिल है;
- (ड) "खतरनाक कार्गो/माल" से खतरनाक माल अभिप्रेत है;
- (ढ) "गरम कार्य" से आशय है ऐसे कार्य जिनमें वेल्डिंग, ज्वलन, टंकाई, कलई, विस्फोट करना, चिनगारी उत्पन्न करने वाले साधन से छिलाई आदि कार्य, बिजली से चलने वाले साधनों या गैर-ज्वालासह विद्युत उपस्करों तथा आंतरिक दहन यंत्र वाले उपस्करों का उपयोग शामिल हो और ऐसे अन्य कार्य जो बहुत गर्मी उत्पन्न करते हैं और ज्वलनशील गैसों या पदार्थों को प्रज्वलित करने की क्षमता रखते हैं;
- (ण) "आईएमडीजी संहिता" से अंतरराष्ट्रीय समुद्री संगठन, लंदन द्वारा जारी "अंतरराष्ट्रीय समुद्री खतरनाक माल संहिता" का नवीनतम संस्करण अभिप्रेत है;
- (त) "आईएमओ" से अंतरराष्ट्रीय समुद्री संगठन, लंदन अभिप्रेत है;
- (थ) इस विनियमावली के लिए "खतरनाक माल का निरीक्षक" से न्यासी मंडल द्वारा नियुक्त ऐसा व्यक्ति अभिप्रेत है जो खतरनाक माल के प्रहस्तन/परिवहन/भंडारण के संबंध में इस विनियमावली का अनुपालन सुनिश्चित करवाने के लिए सक्षम प्राधिकारी के प्रति जिम्मेदार हो;
- (ध) "समुद्री प्रदूषक" से आशय है ऐसे पदार्थ जो समुद्र से प्राप्त होने वाले खाद्य पदार्थों में जैविक रूप से संघटित हाने की क्षमता रखते हों या जो उच्च विषाक्तता के कारण जलीय जीवन के लिए खतरनाक हों और मारपोल 73/78 के संशोधित अनुबंध-III के अधीन आते हों;
- (न) "अधिपति" का आशय ऐसे व्यक्ति से है जिसके पास जलयान का प्रभार या कमान है, पर इसमें पाइलट, गोदी अधिपति, वरिष्ठ गोदी अधिपति, हारबर मास्टर या उप-संरक्षक शामिल नहीं हैं;
- (प) "एमएफएजी" से खतरनाक माल की दुर्घटनाओं में उपयोग के लिए चिकित्सा प्रथमोपचार मार्गदर्शिका अभिप्रेत है;
- (फ) माल के "मालिक" से ऐसे माल के प्रेषक, परेषिती, नौवाहक या उसके विक्रय, अभिरक्षा, चढ़ाने या उतारने के लिए एजेंट अभिप्रेत हैं;

- (ब) जलयान के "मालिक" से ऐसा व्यक्ति अभिप्रेत है जो जलयान का स्वामी हो या जिसकी जलयान में भागीदारी हो या जो जलयान का अवक्रेता, परेडिती या बंधककर्ता हो;
- (भ) "पाइलट" से जलयान के संचालन के लिए प्राधिकृत व्यक्ति अभिप्रेत है;
- (य) पत्तन के "पहुँच मार्ग" से समुद्र तथा चैनलों के वे भाग अभिप्रेत हैं जो जवाहरलाल नेहरू पत्तन और मुंबई पत्तन की ओर आते हैं;
- (र) "दर" से आशय है (समय-समय पर संशोधित) महापत्तन न्यास अधिनियम, 1963 और भारतीय पत्तन अधिनियम, 1908 के तहत वसूल किए जाने वाले कर, बकाए, किराए, शुल्क या प्रभार;
- (ल) "जिम्मेदार व्यक्ति" से आशय है ऐसा व्यक्ति जिसे माल के मालिक और/या अधिपति द्वारा नियुक्त किया गया हो और जिसे खतरनाक माल के परिवहन, प्रहस्तन और भण्डारण से संबंधित सभी निर्णय लेने का अधिकार दिया गया हो और जिसके पास इस कार्य का आवश्यक ज्ञान और अनुभव हो;
- (व) "भराई" से आशय है कंटेनर में माल भरना;
- (श) "टैंक कंटेनर" से आशय है ऐसे कंटेनर जिन्हें तरल और गैस के थोक मात्रा में परिवहन और वितरण के लिए यथावश्यक शर्तों के अनुसार बनाया गया हो;
- (ष) "टैंकर" से आशय है ऐसे जलयान जिन्हें थोक मात्रा में तरल पेट्रोलियम कार्गो ले जाने के लिए बनाया हो। इसमें इस कार्य के लिए उपयोग किए जा रहे संयुक्त प्रकार के जलयान भी शामिल हैं। साथ ही, इसमें थोक मात्रा में तरल रसायन ले जाने वाले रसायन जलयान भी शामिल हैं;
- (स) "टर्मिनल" से आशय है ऐसा स्थान जहाँ पर माल चढ़ाने या उतारने के लिए जलयान को लगाया जा सके या बांधा जा सके;
- (ह) "टर्मिनल प्रबंधक" से टर्मिनल या घाट के प्रभारी प्रबंधक और उनके अधीन कार्य करने वाले अधिकारी अभिप्रेत हैं;
- (क्ष) "परिवहन" से आशय है पत्तन में परिवहन के एक या अनेक प्रकार के साधनों द्वारा खतरनाक माल का लाना/ले जाना;
- (त्र) माल के लाने/ले जाने के संबंध में "परिवहन कर्ता" से आशय है ऐसा व्यक्ति जो परिवहन के साधन का मालिक, पर्यवेक्षक या परिवहन साधन का प्रभारी हो;
- (ज्ञ) "अस्थायी पदार्थ" से आशय है ऐसा पदार्थ जो अपनी रासायनिक संरचना के कारण पॉलीमर बन जाता हो या तापमान की विशेष स्थिति में या किसी उत्प्रेरक के संपर्क में आने पर खतरनाक ढंग से अभिक्रिया करता हो;
- (ज्ञ-क) "जलयान" से आशय है सभी प्रकार के जलयान जिनमें गैर-विस्थापन जहाज तथा समुद्र में उतर या उड़ सकने वाले जहाज भी शामिल हैं जिनका पानी में परिवहन के लिए उपयोग किया जा सके;
- (ज्ञ-ख) ऐसे शब्द और अभिव्यक्तियाँ जिन्हें इस विनियमावली में परिभाषित नहीं किया गया है, उनका अर्थ महापत्तन न्यास अधिनियम, 1963 में दी गई परिभाषा के अनुसार होगा।

3. जवाहरलाल नेहरू पत्तन न्यास में खतरनाक माल का वर्गीकरण.—(1) वर्गीकरण—इस विनियमावली के लिए खतरनाक माल को "अंतरराष्ट्रीय समुद्री संगठन, लंदन" द्वारा जारी अंतरराष्ट्रीय समुद्री खतरनाक माल की संहिता के अनुसार वर्गीकृत किया जाएगा।

खतरनाक माल का वर्गीकरण : -

अंतरराष्ट्रीय समुद्री खतरनाक माल संवर्ग	विवरण
1	विस्फोटक
2.1	ज्वलनशील गैसें
2.2	अ-ज्वलनशील गैसें
2.3	जहरीली गैसें
3	ज्वलनशील द्रव

4.1	ज्वलनशील ठोस पदार्थ
4.2	स्वतः ज्वलनशील ठोस पदार्थ
4.3	ऐसे ठोस पदार्थ जो किसी पदार्थ के संपर्क में आने पर ज्वलनशील गैस फैलाते हैं।
5.1	ऑक्सीकारक पदार्थ
5.2	कार्बनिक परऑक्साइड
6.1	विषैले या हानिकारक पदार्थ
6.2	संक्रामक पदार्थ
7	रेडियोधर्मी पदार्थ
8	संक्षारक पदार्थ
9	विविध खतरनाक माल अर्थात् ऐसे पदार्थ जिनके खतरनाक गुणधर्म देखे गए हैं या जो ऐसे गुणधर्म दिखा सकते हैं, उन्हें खतरनाक माल माना जाता है।

(2) खतरे का मूल्यांकन.—यदि हानिकारक पदार्थ के खतरे का आकलन अंतरराष्ट्रीय समुद्री संगठन, लंदन द्वारा नहीं किया गया हो तो इसके लिए नौवाहक/परिषद् को वाणिज्य पोत परिवहन (खतरनाक माल) नियम के प्रावधानों के तहत सरकार के नौवहन महानिदेशालय को आवेदन करने की सलाह दी जाएगी।

4. जवाहरलाल नेहरू पत्तन न्यास में खतरनाक माल के प्रहस्तन पर प्रतिबंध.—(i) श्रेणी 1 के कार्गो अर्थात् विस्फोटकों को छोड़कर अन्य सभी प्रकार के कार्गो का प्रहस्तन जनेप न्यास में किया जा सकेगा।

(ii) श्रेणी 6.2 और 7 के कार्गो अर्थात् क्रमशः संक्रामक पदार्थ और रेडियोधर्मी पदार्थों को जने पत्तन में केवल सीधे यानांतरण या सुपुर्ग की अनुमति दी जाएगी।

5. खतरनाक माल के लिए प्राधिकरण की प्रक्रिया—(1) जलयान का आगमन—अग्रिम अधिसूचना:—(क) किसी जलयान के मालिक/एजेंट जो खतरनाक माल की निकासी और/या लदाई करवाना चाहते हैं, वे पत्तन में जलयान के आगमन से पहले कम-से-कम 48 घंटे (अड़तालीस घंटे) पहले सक्षम प्राधिकारी को निम्नलिखित दस्तावेजों के साथ आवेदन करेंगे,—

- खतरनाक माल उतारने/चढ़ाने के लिए आवेदन (अनुसूची-I में विनिर्दिष्ट प्रपत्र-I);
- खतरनाक माल का घोषणा पत्र (अनुसूची-I में विनिर्दिष्ट प्रपत्र-II);
- बहुविध खतरनाक माल प्रपत्र (गैस सिलेंडरों के आयात के लिए अनुसूची I में विनिर्दिष्ट प्रपत्र-III);
- खतरनाक माल का घोषणा पत्र (गैस सिलेंडर आयात के लिए अनुसूची I में विनिर्दिष्ट प्रपत्र-IV);
- खतरनाक माल की विस्तृत नौभरण योजना और जहाज पर उसकी स्थिति का विवरण;
- निर्यात कार्गो के लिए आवश्यक होने पर कंटेनर पैकिंग प्रमाण-पत्र;
- परिवहन आपतकालीन कार्ड;

(ख) मार्गस्थ खतरनाक माल के लिए अग्रिम अधिसूचना दी जानी चाहिए।

(ग) जब जहाज या कंटेनर धूम्रीकरण वाला आता है तब अग्रिम सूचना देनी होगी जिसमें धूम्रक का नाम तथा धूम्रीकरण करने की तारीख बताई जानी चाहिए।

(घ) अग्रिम सूचना उप-संरक्षक, टर्मिनल प्राधिकारी, सुरक्षा अनुभाग और गोदी सुरक्षा निरीक्षणालय को दी जाएगी।

(2) जमा राशि :—पत्तन मालिक/एजेंट से प्रतिदेय जमा राशि लेगा ताकि ऐसे खतरनाक माल के प्रहस्तन, भण्डारण, अनुसंधान तथा निकासी के व्यय को पूरा किया जा सके और विनियम 5 के उप-विनियम-3 के तहत जारी परमिट में दिए गए निर्देशों के अनुसार कार्गो को चढ़ाने/उतारने या प्रहस्तन करने के बाद इस जमा राशि को लौटा दिया जाएगा।

(3) परमिट देना :—इन दस्तावेजों और जमा राशि के प्राप्त होने पर सक्षम प्राधिकारी या उनकी ओर से कार्य करने वाला प्राधिकृत अधिकारी निकासी का तरीका, भण्डारण, आवश्यक पृथक्करण, उपलब्ध कराए जाने वाले उपस्कर, पत्तन तथा जलयान की सुरक्षा से संबंधित अन्य शर्तें बताते हुए मालिक/एजेंट को निदेश देगा। कंटेनर कार्गो के संबंध में सक्षम प्राधिकारी कंटेनर में माल भरे जाने/खाली करने के लिए क्षेत्र/डिपो भी निर्दिष्ट करेंगे।

(4) कार्गो की लदाई/उतराई का प्रारंभ:—

- (क) अधिपति/एजेंट पत्तन में उसके जलयान से खतरनाक माल के प्रहस्तन से पहले सक्षम प्राधिकारी को एक शिप-शोर जाँचसूची (अनुसूची-1 में दिया गया प्रपत्र-V) प्रस्तुत करेगा।
- (ख) विनियम 5 के उप-विनियम (iii) में निर्दिष्ट सक्षम प्राधिकारी के निदेश प्राप्त होने के बाद और सक्षम प्राधिकारी/खतरनाक माल के निरीक्षक द्वारा जाँचसूची तथा मालिक/अधिपति/एजेंट द्वारा दिए गए घोषणा-पत्र की यथातथ्यता के बारे में संतोष कर लेने पर ही जलयान खतरनाक माल की लदाई/उतराई का कार्य आरंभ कर सकता है।

6. खतरनाक माल के प्रहस्तन/भण्डारण पर प्रतिबंध.—(1) अं.स.ख. माल श्रेणी-1 अर्थात् विस्फोटकों को छोड़कर खतरनाक माल के अन्य सभी प्रकारों का परिवहन, प्रहस्तन और भण्डारण जवाहरलाल नेहरू पत्तन न्यास में किया जाएगा।

- (2) अं.स.ख. माल श्रेणी 6.2 और 7 अर्थात् क्रमशः संक्रामक पदार्थ तथा रेडियोधर्मी सामग्री के मामले में कार्गो को निर्यात करने के लिए पत्तन में नहीं रखा जाएगा और उसे प्रस्थान से ठीक पहले सीधे जहाज पर चढ़ाया जाएगा। आयात कंटेनरों को भी जलयान से उतारकर सीधे प्रेषित किया जाना होगा।
- (3) खतरनाक माल की कंटेनरों में भराई/निकासी या खंडित बल्क के रूप में खतरनाक माल का भंडारण/प्रहस्तन/परिवहन खतरनाक माल के अनुमोदित शेड/गोदाम में खतरनाक माल के निरीक्षक के पर्यवेक्षण में अनुमत होगा।
- (4) जवाहरलाल नेहरू पत्तन में भंडारित खतरनाक माल की विभिन्न कोटियों का पृथक्करण अनुसूची-II में विनिर्दिष्ट अं.स.ख. माल संहिता की सिफारिशों के अनुसार किया जाएगा।
- (5) सक्षम प्राधिकारी यदि यह समझते हैं कि किसी खतरनाक माल की स्थिति या परिवहन के तरीके की स्थिति के कारण या पत्तन में मौजूदा परिस्थितियों के कारण जान या माल को खतरा होने की संभावना है तो वे पत्तन के अंदर रखे जाने वाले या पत्तन से होकर ले जाने वाले खतरनाक माल को अनुमति देने से इंकार कर सकते हैं।
- (6) यदि पत्तन क्षेत्र के अंदर किसी खतरनाक माल के कारण कोई अस्वीकार्य जोखिम उत्पन्न होता है तो सक्षम प्राधिकारी ऐसे पदार्थों या पैकेजों, भाड़े के कंटेनरों, पोटेंबल टैंकों, ऐसे पदार्थ को ले जाने वाले जलयान या वाहन को हटाकर किसी अन्य स्थान पर ले जाने या समुद्र में भेजने के आदेश, जैसा भी वे आवश्यक समझें, दे सकते हैं।
- (7) अनुपयुक्त पदार्थों को तब तक स्वीकार नहीं किया जाएगा जब तक कि उनके सुरक्षित यातायात एवं प्रहस्तन की सभी आवश्यक शर्तें पूर्ण न कर ली जाएं एवं उन्हें उचित रूप से प्रमाणित न कर लिया जाए।
- (8) (क) सक्षम प्राधिकारी ऐसे खतरनाक माल को, जो उनकी राय में पत्तन की सुरक्षा को खतरा पहुँचा सकता है, सीमाशुल्क एवं प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की सलाह से समुद्र में फिंकवा सकते हैं या किसी अन्य सुरक्षित तरीके से नष्ट करवा सकते हैं। इस तरीके से फेंके गए या नष्ट किए गए खतरनाक माल के लिए माल के स्वामी या अधिकर्ता किसी भी प्रकार की क्षतिपूर्ति पाने के हकदार नहीं होंगे।
(ख) सक्षम प्राधिकारी के अनुदेशों की अवहेलना करके प्रहस्तित किए गए या लाए-ले जाए जा रहे किसी भी खतरनाक माल को पत्तन हटा या पुनः रखवा सकता है। ऐसा करने पर हुए खर्च को जमा राशि से या यदि जमा की गई राशि इन खर्चों की पूर्ति के लिए पर्याप्त न हो तो कार्गो की बिक्री से वसूल किया जा सकता है।
- (9) जलयान प्रबंधन प्रदूषण की संभावना वाले सभी पदार्थों को जलयान पर ही रखेगा और किसी भी खतरनाक माल के रिसाव के कारण होने वाले प्रदूषण को रोकेंगा तथा पत्तन प्रदूषण विरोधी विनियमावली के अनुसार सभी सावधानियाँ बरतेगा।
- (10) समुद्रीय प्रदूषकों का प्रहस्तन सक्षम प्राधिकारी के निर्देशन में होगा। यह सुनिश्चित करने के लिए सभी सावधानियाँ बरती जानी चाहिए कि ऐसे प्रदूषकों को समुद्री पर्यावरण में या समुद्र में न फेंका जाए।
- (11) जब भी मालिक/अधिकर्ता ऐसे किसी खतरनाक माल का आयात करना चाहते हों जो आईएमडीजी संहिता के अंतर्गत न आता हो, तो ऐसे कार्गो की प्राप्ति के तरीकों की व्यवस्था करने हेतु सक्षम प्राधिकारी को पर्याप्त समय पहले सूचना दी जानी चाहिए। ऐसा न करने पर कार्गो को प्रवेश देने से मना कर दिया जाएगा।

7. **खतरनाक माल की पैकिंग.**—(1) खतरनाक माल की पैकिंग नवीनतम संशोधित आईएमडीजी संहिता के अनुसार होनी चाहिए एवं उनका अभिज्ञेय पर्यवेक्षण किया जाना चाहिए।

- (2) प्रतिकूल प्रकृति के माल (एक दूसरे से अलग रखे गए माल सहित) निभार (dunnage) या अन्य पदार्थों से अभिक्रिया कर सकने वाली पैकिंग सामग्री को एक ही कंटेनर में पैक नहीं किया जाना चाहिए।
- (3) ऐसे खतरनाक माल, जो स्पर्श, गंध या प्रदूषण से अन्य पदार्थों को नुकसान पहुँचा सकते हैं, उन्हें उन पदार्थों के साथ एक ही कंटेनर में पैक नहीं किया जाना चाहिए। जड़रीली सामग्री ले जा रहे कंटेनर में खाने की सामग्री पैक नहीं की जानी चाहिए।
- (4) सामान भरे जाते समय निम्नलिखित बातों का ध्यान रखा जाना चाहिए :—
 - (क) कागों का वजन कंटेनर के फर्श पर समान रूप से बाँटकर रखा जाना चाहिए। किसी भी स्थिति में आधे से कम फर्श पर 60 प्रतिशत से अधिक वजन नहीं होना चाहिए।
 - (ख) जहाँ तक संभव हो, माल को एक समान सतह पर रखते हुए कसकर बाँधा जाना चाहिए।
 - (ग) द्रव पदार्थों को सूखे माल के ऊपर नहीं रखा जाना चाहिए। निचली सतह के संबंधित प्रतिरोध की उपेक्षा नहीं की जानी चाहिए।
 - (घ) भारी सामानों को हल्के सामानों के ऊपर नहीं रखा जाना चाहिए।
 - (ङ) ऐसी पैकिंग जिसमें आसानी से नुकसान का खतरा हो विशेषतौर पर कागों को, नुकीले एवं प्रक्षेपी किनारों या हिस्सों से उचित निभार (dunnage) एवं सुरक्षात्मक सामग्री का उपयोग करते हुए बचाया जाना चाहिए।
 - (च) ऐसा सामान जिसे जमाकर नहीं रखा जा सकता उसे अच्छी तरह से बाँधा जाना चाहिए जिससे वह हिले नहीं। उसे हिलने से रोकने का पर्याप्त निभार सामग्री लगाई जानी चाहिए।
 - (छ) पीपों को सदैव कंटेनर के दरवाजे के पास आखिर में रखा जाना चाहिए।
 - (ज) सुराखदार पैकेजों को सीधे इस प्रकार रखा जाना चाहिए कि उनके सुराख बंद न हों।
 - (झ) कंटेनर में रखे कागों को अच्छी तरह बाँधा जाना चाहिए जिससे वह परिवहन के दौरान हिले नहीं।
 - (ञ) पैकिंग के लिए प्रयुक्त सामग्री इस प्रकार की होनी चाहिए जो खतरनाक माल के सम्पर्क में आने पर अभिक्रिया न करे अर्थात् वह अतिसंवेदनशील न हो।
 - (ट) यदि कंटेनर के साथ कोई सुरक्षा उपकरण है तो उसका प्रयोग किया जाना चाहिए।
 - (ठ) दरवाजे के नजदीक रखे सामान इस प्रकार बांधे जाने चाहिए कि दरवाजा खोलते समय वे गिर न जाएँ।
 - (ड) कंटेनर पैक करते समय उतराई की प्रक्रिया को दिमाग में रखा जाना चाहिए। पर्यवेक्षण की आसानी के लिए समान प्रकार के माल को एक साथ रखा जाना चाहिए। ऐसे सामानों की पहचान सरल बनाने के लिए उन पर लेबल लगाना सुविधाजनक होता है।
- (5) अलग-अलग पैकेजिंग पर दिए गए विशिष्ट पैकिंग अनुदेशों का पालन किया जाना चाहिए जैसे कि, ऐसे सामान जिन पर "शीत से बचाएँ" अंकित हो उन्हें कंटेनर की दीवारों से दूर रखा जाना चाहिए।
- (6) कंटेनर में भरे माल में जो आंशिक रूप से खतरनाक माल हो तो उसके प्रति अन्य सिफारिशें अनुकूल होने पर उसे पीछे बिल्कुल दरवाजे की ओर रखा जाना चाहिए।

8. **चिन्ह लगाना, लेबल एवं पर्ची (प्लेकार्ड) लगाना.**—खतरनाक माल ले जा रहे कंटेनरों पर चिन्ह लगाने, लेबल एवं पर्ची (प्लेकार्ड) लगाने का कार्य नवीनतम संशोधित अं.स.ख. माल संहिता के अनुसार किया जाना चाहिए।

9. **प्रचालनों के प्रभारी के रूप में जिम्मेदार व्यक्ति.**—(1) खतरनाक माल को चढ़ाए या उतारे जाते समय जहाज के मास्टर प्रचालनों का व्यक्तिगत रूप से पर्यवेक्षण करने के लिए एक जिम्मेदार व्यक्ति को तैनात करेंगे। ऐसे अधिकारी, अं.स.ख. माल संहिता एवं इस विनियमावली के अधीन आवश्यक सभी सावधानियों, का पालन करेंगे।

(2) भाड़े के कंटेनरों में खतरनाक माल को भरने या निकालने की प्रक्रिया, किसी जिम्मेदार व्यक्ति के पर्यवेक्षण में आईएमओ एवं खतरनाक माल के निरीक्षक की सिफारिशों के अनुसार की जाएगी।

(3) कंटेनर टर्मिनल पर कंटेनरों को चढ़ाने/उतारने के कार्य का पर्यवेक्षण कोई जिम्मेदार अधिकारी करेगा।

10. नष्ट किए जाने वाले फटे/टूटे हुए/खराब पैकेज/ड्रम/पात्र आदि.—यदि कोई खतरनाक माल उसके पैकेज/ड्रम/पात्र से बाहर निकलता है या रिसता है तो ऐसे खतरनाक माल को तत्काल सावधानीपूर्वक एक जगह इकट्ठा करके सक्षम प्राधिकारी के मार्गदर्शन में उसका निपटारा कर दिया जाएगा या उसे नष्ट कर दिया जाएगा।

11. छलकन समाहरण एवं खतरनाक माल की सफाई.—यदि कोई खतरनाक माल उसके पैकेज/ड्रम/पात्र से बाहर निकलता है या रिसता है तो ऐसे खतरनाक माल को तत्काल सावधानीपूर्वक एक जगह इकट्ठा करके सक्षम प्राधिकारी के मार्गदर्शन में उसका निपटारा कर दिया जाएगा या उसे नष्ट कर दिया जाएगा एवं प्रदूषित क्षेत्र तत्काल सक्षम प्राधिकारी के मार्गदर्शन में साफ कराया जाएगा।

12. बालकों, नशेदियों एवं कुछ अन्य व्यक्तियों का नियोजन.—कोई भी व्यक्ति किसी ऐसे व्यक्ति को काम पर नहीं रखेगा या अनुमत नहीं करेगा—

(क) जिसने 18 वर्ष की उम्र पूरी न कर ली हो, या

(ख) जो नशे की हालत में हो, या

(ग) जिसकी दिमागी हालत खतरनाक माल की लड़ाई, उतराई, भंडारण या परिवहन के लिए या ऐसे प्रचालनीय क्षेत्र में प्रवेश के लिए, जहां खतरनाक माल का प्रहस्तन एवं भंडारण किया जाता है, ठीक न हो।

13. दुर्घटना के लिए विशेष प्रावधान एवं अप्राधिकृत व्यक्तियों का निष्कासन.—(1) कोई भी व्यक्ति, पत्तन क्षेत्र में खतरनाक माल का प्रहस्तन, भंडारण या परिवहन किए जाने के स्थान पर ऐसा कोई कार्य न तो करेगा और न ही करने का प्रयास करेगा जिससे आग या विस्फोट या प्रदूषण फैलाने वाला छलकाव हो :

परन्तु यह कि इस उप-विनियम में शामिल कोई भी बात ऐसे किसी भी अधिनियम पर लागू नहीं होगी जो पत्तन क्षेत्र के अंदर खतरनाक माल के परिवहन के दौरान भंडारण और प्रहस्तन के लिए आवश्यक हो।

(2) खतरनाक माल के आयात, निर्यात, परिवहन या प्रहस्तन में लगे हुए सभी व्यक्ति निम्नलिखित बातों का पालन हमेशा करेंगे :—

(क) इस विनियमावली के प्रावधानों एवं उससे संबंधित किसी भी लाइसेंस की शर्तों का पालन करेंगे ;

(ख) आग या विस्फोट की वजह से हो सकने वाली दुर्घटनाओं एवं चोरियों की रोकथाम के लिए सभी उचित सावधानियां बरतेंगे ;

(ग) किसी भी अप्राधिकृत व्यक्ति को खतरनाक माल तक पहुंचने से रोकेंगे ;

(घ) किसी भी अन्य व्यक्ति को ऐसा कोई भी कार्य करने से रोकेंगे जो उप-विनियम (1) के तहत प्रतिबंधित है।

14. सावधानियां बरतने का दायित्व.—(1) खतरनाक माल के मालिक/अधिकर्ता/परिवहनकर्ता/अधिपति एवं पत्तन क्षेत्र के अन्दर के सभी स्थानों के अधिभोक्ता या अभिरक्षक सक्षम प्राधिकारी द्वारा बताए गए एवं इन विनियमों में विहित तथा अनुसूची III में विनिर्दिष्ट सुरक्षा सावधानियों का हमेशा पालन करेंगे।

(2) जब पत्तन क्षेत्र के किसी खतरनाक माल का प्रहस्तन या भंडारण किया जाता है और उस माल के मालिक/अधिकर्ता/अधिपति यदि दुर्घटनाएं रोकने के लिए उचित सावधानियां बरतने में असफल रहते हैं तो सक्षम प्राधिकारी पत्तन की सुरक्षा के लिए उचित कार्रवाई कर सकते हैं एवं/या प्रत्येक घटना पर न्यूनतम रु. 50,000 का हर्जाना वसूल कर सकते हैं।

15. मालिक/अधिकर्ता/अधिपति की जिम्मेदारियां.—(1) मालिक/अधिकर्ता/अधिपति को सक्षम प्राधिकारी द्वारा बताए गए सभी अनुदेशों का पालन करना होगा।

(2) मालिक/अधिकर्ता यह सुनिश्चित करेंगे कि सीएससी 1972 समझौते के अनुसार कंटेनरों पर नवीनतम सुरक्षा अनुमोदन प्लेट लगी हो।

(3) मालिक/अधिकर्ता पत्तन में उतरने वाले एवं/या लादे जाने वाले एवं पत्तन से होकर आने/जाने वाले खतरनाक माल (चाहे वह कंटेनरों में या अन्य पैकेजों में हो) की सत्य एवं सही घोषणा करेंगे।

(4) पत्तन में लाए गए खतरनाक माल की सभी श्रेणियों के पात्र नवीनतम अं.स.ख. माल संहिता में बताए गए पैकेजिंग मानकों के अनुरूप ही होने चाहिए। ऐसे पात्र पत्तन क्षेत्र में खतरनाक माल के प्रहस्तन के समय अच्छी हालत में होने चाहिए।

(5) यदि पत्तन क्षेत्र से प्रहस्तन के दौरान कोई पात्र टूट जाता है या उसमें से रिसाव होने लगता है तो सक्षम प्राधिकारी द्वारा बताए गए निरोधक उपायों का पालन किया जाना चाहिए।

- (6) खतरनाक माल के टूटे हुए पात्रों की मरम्मत या उसके सामान की दोबारा पैकेजिंग सक्षम प्राधिकारी के पर्यवेक्षण में की जाएगी जो खतरनाक माल की श्रेणियों के अनुसार लागू होने वाले विशेष प्रतिबंधों के अनुसार होगी।
- (7) सीमा शुल्क विभाग द्वारा अनुमोदित तरीके से खतरनाक माल का नमूना निकालने के उद्देश्य से या सक्षम प्राधिकारी द्वारा ऐसा करने की अनुमति मिलने की स्थिति को छोड़कर किसी भी खतरनाक माल का कोई भी पात्र पत्तन क्षेत्र के अन्दर खोला नहीं जाएगा। ऐसी अनुमति आवश्यक समझे गए अतिरिक्त प्रतिबंधों एवं सावधानियों के अनुपालन की शर्तों पर ही देय होगी।
- (8) चिनगारी/गर्मी/स्थिर आवेश (स्टैटिक चार्ज) उत्पन्न करने वाले औजार खतरनाक माल को खोलने/बंद करने/पात्र की मरम्मत करने में या नमूना निकालने में प्रयोग नहीं किए जाएंगे। जहां तक ऐसा करना संभव हो नमूने कंटेनरों को झुकाए बिना चूषन-विधि से निकाले जाने चाहिए।
- (9) खतरनाक माल के ऐसे पात्र जो कि रिस रहे हों या क्षतिग्रस्त हों या विकृत अवस्था में हों, उनका प्रहस्तन या रख-रखाव सक्षम प्राधिकारी के विशेष अनुदेशों के अनुसार ही किया जाएगा।
- (10) खतरनाक माल के निरीक्षण के लिए सक्षम प्राधिकारी को सभी सुविधाएं प्रदान की जाएं।
- (11) खतरनाक माल को लाने वाले मालिकों/अधिकारियों को यह सुनिश्चित करना होगा कि खतरनाक माल की अनुमति की औपचारिकताएं, विशेष तौर पर सीमा शुल्क विभाग की, पूर्ण कर ली जाएं ताकि ऐसे कार्यों की तत्काल प्राप्ति की जा सके।
- (12) यदि आवश्यक हो तो पत्तन में खतरनाक माल को भरने या निकालने का कार्य आईएमओ एवं खतरनाक माल के निरीक्षक की सिफारशों के अनुसार किया जाएगा।

16. अधिपति के उत्तरदायित्व.—(1) खतरनाक माल ले जा रहे जहाज के अधिपति जब पत्तन के नजदीक पहुंचेंगे या पत्तन को छोड़ेंगे एवं उस दौरान जब वह पत्तन की सीमाओं के अन्दर रहेंगे तो स्पष्ट रूप से :—

- (क) सूर्योदय एवं सूर्यास्त के बीच कम से कम 1 वर्ग मी. चौड़ा एक लाल रंग का झंडा प्रदर्शित करेंगे, और
- (ख) सूर्यास्त और सूर्योदय के बीच में एक लाल रंग की रोशनी प्रकाशित करेंगे जो चारों ओर से देखी जा सके।

(2) जब कभी भी खतरनाक माल चढ़ाया या उतारा जाता है तो वे :—

- (क) प्रचालनों के व्यक्तिगत तौर से पर्यवेक्षण हेतु एक जिम्मेदार व्यक्ति को तैनात करेंगे। ऐसे अधिकारी अं.स.ख. माल संहिता एवं इन विनियमों के तहत सभी आवश्यक सावधानियों का पालन करेंगे/करवाएंगे।
- (ख) होज और ब्रांच पाइपों को जोड़े रखते हुए अग्नि शमन उपकरणों को तैयार हालत में रखेंगे।
- (ग) यह सुनिश्चित करेंगे कि जहाज के किसी भी हिस्से में खुली ज्वाला/खुली आग के प्रयोग से कोई मरम्मत कार्य नहीं किया जाएगा।
- (घ) सावधानीपूर्वक इंजन रूम की आग को फैलने से रोकें एवं अन्य सभी आग के स्रोत या गैर-सुरक्षा लाइटें बुझा दें।
- (ङ) तट पर सम्पर्क/प्रचालन केन्द्र से सफल एवं प्रभावी सम्पर्क बनाए रखें।
- (च) आईएमओ द्वारा प्रकाशित आपातकालीन सेवा अनुसूची एवं उसी के द्वारा प्रकाशित प्रथमोपचार मार्गदर्शिका में निर्दिष्ट उपस्करों की आवश्यकता होने पर उन्हें उपलब्ध कराएं और उनका उपयोग करें।
- (छ) खतरनाक माल के निरीक्षण के लिए पत्तन के अधिकारियों को जलयान पर आगमन और सुविधाएं प्रदान करें।
- (ज) यह सुनिश्चित करें कि पत्तन के सक्षम प्राधिकारी की स्पष्ट अनुमति के बिना जहाज या तट पर खतरनाक माल का कोई भी टूटा हुआ या रिसता हुआ कंटेनर या पैकेज लादा या उतारा न जाए।
- (झ) यह सुनिश्चित करें कि ऐसे खतरनाक माल के प्रहस्तन में लगे हुए कर्मी उचित व्यक्तिगत सुरक्षात्मक उपस्कर प्रयोग करते हैं एवं यह भी सुनिश्चित करें कि ऐसे माल के सुरक्षित प्रहस्तन के लिए कार्यों उपकरण, प्रहस्तन उपस्कर एवं प्रयुक्त सहायक उपकरण सुरक्षा अपेक्षाओं के अनुरूप हों।
- (ञ) यह सुनिश्चित करें कि सभी खतरनाक माल अं.स.ख. माल संहिता एवं पत्तन की अपेक्षाओं के अनुरूप ठीक प्रकार से घोषित किए गए हैं एवं निकासी से पूर्व नवीनतम अं.स.ख. माल संहिता के अनुसार ठीक प्रकार से लेबल लगाकर चिह्नित किए गए हैं।

17. बार्ज के मालिक/प्रचालक का उत्तरदायित्व.—(1) खतरनाक माल ले जा रहे बार्ज अलग-अलग श्रेणी के ऐसे कार्यों नहीं लादेंगे जो परस्पर विरोधी प्रकृति के हों एवं कार्यों की दो से अधिक संगत श्रेणियों का माल ले जाते समय श्रेणियों के बीच पर्याप्त पृथक्करण बनाए रखेंगे। प्रत्येक मामले में, खतरनाक माल के निरीक्षक या सक्षम प्राधिकारी द्वारा दिए गए अनुदेशों का पालन किया जाएगा।

- (2) खतरनाक माल ले जाने वाले बाजों/लाइटों के डेक एवं धारक (hold) का फर्श चर्चण या चिंगारी उत्पन्न करने वाला नहीं होना चाहिए।
- (3) खतरनाक माल ले जा रहे बाजों पर किसी भी स्थान पर खुली लाइटें या खुली लौ (ज्वाला) जलाना सख्त मना है।
- (4) किसी भी निर्दिष्ट घाट या पोत घाट पर अगल-बगल लगाए गए दो बाजों के बीच में 9.0 मी. (नौ मीटर) की सुरक्षित दूरी होनी चाहिए।
- (5) जब तक सक्षम प्राधिकारी अनुमति नहीं देता तब तक लदाई या उतराई के समय दो या उससे अधिक मौकाएं अगल-बगल नहीं लगाई जाएंगी।

18. परिवहनकर्ता के उत्तरदायित्व.—(1) खतरनाक माल का परिवहन करने वाले प्रत्येक माल वाहक के परिवहनकर्ता यह सुनिश्चित करेंगे कि खतरनाक माल ले जाने वाले वाहन के चालक ने पर्याप्त प्रशिक्षण और अनुदेश ले लिए हैं जिससे कि उसके द्वारा ले जाए जा रहे खतरनाक माल की प्रकृति की एवं ऐसे माल के कारण होने वाले खतरों की प्रकृति की समझ उसे प्राप्त हो सके तथा माल वाहक की चलने या खड़े होने की स्थिति में उसके द्वारा बरती जाने वाली सावधानियों एवं आपात् स्थिति में उसके द्वारा की जाने वाली कार्रवाईयों की जानकारी भी उसे प्राप्त हो सके।

(2) किसी भी खतरनाक माल को लाने/ले जाने वाले वाहन के परिवहनकर्ता की यह जिम्मेदारी होगी कि वह निम्नलिखित बातें सुनिश्चित करें :—

- (क) उक्त माल का वहन करने के लिए वाहन वैध रूप से पंजीकृत है एवं ऐसे माल के परिवहन के लिए सुरक्षित है; एवं
- (ख) वाहन में किसी दुर्घटना से निपटने के लिए आवश्यक प्रथमोपचार पेटी, सुरक्षा उपस्कर, अंजार-पेटिका एवं विचहर होने चाहिए।
- (3) यह सुनिश्चित करना परिवहनकर्ता की जिम्मेदारी होगी कि वाहन चालक के ड्राइवर के पास वैध ड्राइविंग लाइसेंस हो।
- (4) यह सुनिश्चित करना परिवहनकर्ता की जिम्मेदारी होगी कि चालक कम से कम एक भारतीय भाषा तथा अंग्रेजी लिखने एवं पढ़ने योग्य हो एवं उसके पास केन्द्रीय मोटर वाहन नियम, 1899, में निर्दिष्ट खतरनाक माल के परिवहन से संबंधित पाठ्यक्रम एवं अवधि के कोर्स को सफलतापूर्वक उत्तीर्ण करने का प्रमाणपत्र हो।

19. वाहन चालक की जिम्मेदारी.—खतरनाक माल ले जा रहे वाहन का चालक वाहन के चलते समय खतरनाक माल में आग, विस्फोट एवं उसका गिरना रोकने के लिए हर समय सभी आवश्यक सावधानियां बरतेगा, एवं जब वाहन चालू स्थिति में न हो तब वह यह सुनिश्चित करेगा कि वाहन ऐसी जगह पर खड़ा किया गया है जो आग, विस्फोट एवं अन्य किसी जोखिम से सुरक्षित है तथा हर समय उसके या 18 वर्ष से अधिक के किसी अन्य सक्षम व्यक्ति के नियंत्रण एवं पर्यवेक्षण में है।

20. सामान्य.—(1) खतरनाक माल का प्रहस्तन एवं भंडारण इस विनियम की धारा 4 में निर्दिष्ट अं.स.ख. माल संहिता और अधिनियमों के नवीनतम संशोधन के अनुसार होना चाहिए।

- (2) मालिक/अधिकर्ता/अधिपति ऐसे माल के प्रहस्तन हेतु सक्षम प्राधिकारी द्वारा दिए गए अनुदेशों का सख्ती से पालन करेंगे।
- (3) मालिक/अधिकर्ता/अधिपति सभी सामान्य सावधानियों का सख्ती से पालन करेंगे।
- (4) मालिक/अधिकर्ता/अधिपति दुर्घटना की सूचना सक्षम प्राधिकारी एवं संबंधित सरकारी प्राधिकारी को तत्काल फोन पर एवं विहित प्रपत्र में देंगे।

21. भंडारण याई में बाड़ लगाना.—खतरनाक माल के भंडारण याइों पर या ऐसे किसी स्थल पर अप्राधिकृत व्यक्तियों को रोकने के लिए बाड़ लगाई जानी चाहिए एवं संचार के पर्याप्त साधनों के साथ चौकीदार की सुविधा भी होनी चाहिए।

22. विसंदूषण.—(1) खतरनाक माल/पदार्थों के छलकने के मामले में संबंधित माल/पदार्थ के लिए उपयुक्त विसंदूषण उपाय सक्षम पर्यवेक्षण में किए जाएंगे।

(2) यदि किसी खतरनाक माल/पदार्थ के रिसाव होने का संदेह हो तो किसी भी धारक (hold) या खंड में प्रवेश की अनुमति तब तक नहीं दी जानी चाहिए जब तक कि जलयान के अधिपति या जिम्मेदार अधिकारी सभी सुरक्षा पहलुओं पर गौर न कर लें एवं यह संतोष न कर लें कि ऐसा करना सुरक्षित रहेगा।

(3) अन्य परिस्थितियों में, स्वतः पूर्ण शवसन यंत्र एवं अन्य सुरक्षा कपड़े धारण किए प्रशिक्षित कर्मचारी ही संबंधित धारक में आपात रूप से प्रवेश कर सकते हैं।

23. रेडियोधर्मी सामग्री का प्रहस्तन एवं भंडारण (अं.स.ख. माल संहिता श्रेणी-7).—(1) इस श्रेणी में आने वाली सामग्री स्वतः काफी विकिरण फैलाती है जिसकी विशिष्ट क्रिया 70 केबीक्यू/किलोग्राम (2μ सीआई/जी) से अधिक होती है।

(2) प्रलेखन.—

- (क) रेडियोधर्मी सामग्री के प्रहस्तन या परिवहन के लिए पत्तन का उपयोग करने के इच्छुक मालिक/अधिकर्ता, इन सामग्रियों के प्रहस्तन के संबंध में अनुदेश प्राप्त करने के लिए परमाणु ऊर्जा नियामक बोर्ड (ईआरबी) का परामर्श लेंगे।
- (ख) मालिक/अधिकर्ता सक्षम प्राधिकारी को काफी पहले निम्नलिखित दस्तावेजों की प्रतियां प्रस्तुत करेंगे जिससे कि ऐसे माल की प्राप्ति के लिए पत्तन प्रबंध कर सके।

(i) आयात के लिए,—

- (1) रेडियोधर्मी सामग्री के आयात के लिए परमाणु ऊर्जा नियामक बोर्ड (ईआरबी), नियामक भवन, अणुशक्ति नगर, मुंबई-400094 द्वारा जारी वैध नियामक सहमति/अनापत्ति प्रमाण पत्र।
- (2) कार्गो के आगमन के विवरण पर प्राधिकृत परेषिती/आयातकर्ता द्वारा विहित प्रपत्र (अनुसूची 1 में वर्णित प्रपत्र VI) में घोषणा पत्र जिसे ईआरबी, मुंबई द्वारा पृष्ठांकित किया गया हो।
- (3) भारत में आयातकर्ता से रेडियोधर्मी सामग्री के परेषण की प्राप्ति के लिए उसकी सहमति का उल्लेख करने वाला प्रमाण पत्र।
- (4) रेडियोधर्मी सामग्री कार्गो के लिए आयातकर्ता/नौवाहक से परिवहन सूचना।

(ii) निर्यात के लिए,—

- (1) रेडियोधर्मी सामग्री के निर्यात के लिए परमाणु ऊर्जा नियामक बोर्ड (ईआरबी), नियामक भवन, अणुशक्ति नगर, मुंबई-400094 द्वारा जारी वैध नियामक सहमति/अनापत्ति प्रमाण पत्र।
- (2) आईएमडीजी संहिता श्रेणी-7 के अनुसार जहां भी लागू हो, रेडियोधर्मी सामग्री के लिए पैकेज डिजाइन/विशेष फार्म के अनुमोदन का ईआरबी, मुंबई द्वारा या पैकेज डिजाइन के मूल स्रोत के देश के सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी वैध प्रमाण पत्र।
- (3) विदेश में अयातकर्ता से रेडियोधर्मी सामग्री परेषण की प्राप्ति के लिए उसकी सहमति का उल्लेख करने वाला प्रमाण पत्र।
- (4) आईएमडीजी संहिता श्रेणी-7 में आवश्यक नौवहन/परेषक का घोषणा पत्र।

(iii) परिवहन के समय,—

- (1) रेडियोधर्मी सामग्री कार्गो ले जा रहे जहाज के मार्गस्थ होने की स्थिति में, परेषक/नौवाहक को विहित प्रपत्र में (अनुसूची 1 में वर्णित फार्म VI) हस्ताक्षरित घोषणा पत्र प्रस्तुत करना चाहिए जिसे रेडियोधर्मी सुरक्षा प्रभाग (आर एस डी), ईआरबी, मुंबई द्वारा प्रतिहस्ताक्षरित किया गया हो।
- (2) परेषक से रेडियोधर्मी सामग्री कार्गो के लिए परिवहन सूचना।

(3) सामान्य अनुदेश.—

- (क) निर्यात कार्गो को पत्तन में रखा नहीं जाएगा और कंटेनर प्रस्थान से ठीक पहले सीधे लाकर जहाज पर लादे जाने चाहिए।
- (ख) आयात कंटेनर तत्काल उतारकर सीधे सुपुर्दगी के लिए भेज दिए जाने चाहिए।
- (ग) अपरिहार्य परिस्थितियों में, निर्यात या आयात कंटेनर सक्षम प्राधिकारी की उचित अनुमति लेकर कंटेनर यार्ड में किसी निर्दिष्ट एवं अलग स्थान अल्प अवधि के लिए रखे जा सकते हैं।
- (घ) कंटेनर की गतिविधि के बारे में जहाज के अधिकर्ता द्वारा अग्रिम तौर पर सुरक्षा अनुभाग, पत्तन अग्निशमन केन्द्र, कंटेनर टर्मिनल एवं गोदी सुरक्षा निरीक्षणालय को सूचित किया जाना चाहिए।

24. खतरनाक माल ले जा रहे कंटेनरों को मुहरबंद करना, चिन्हांकित करना एवं लेबल लगाना.—(1) पैकिंग के बाद कंटेनर मुहरबंद किए जाने चाहिए। तथापि जब तक कि खतरनाक माल के निरीक्षक विशेष रूप से सहमत न हों कंटेनर को तालाबंद नहीं किया जाना चाहिए।

(2) खतरनाक माल ले जा रहे कंटेनर की पैकिंग, चिन्हांकन एवं लेबल लगाने का कार्य अ.स.ख. माल संहिता के अनुसार होना चाहिए।

25. टर्मिनल में खतरनाक माल का जमाव.—खतरनाक माल के कंटेनर लड़ाई योजना के अनुसार एवं प्रथक्करण आवश्यकताओं के अनुरूप लगाए जाने चाहिए।

26. परीक्षण क्षेत्र.—कंटेनर गेट संकुल के समीप यह एक बाड़ वाला क्षेत्र है जहाँ सीमा शुल्क, कंटेनर की स्थिति एवं उसकी पुनः भराई की दृष्टि से कंटेनरों का परीक्षण किया जाता है। परीक्षण क्षेत्र में पर्याप्त प्रकाश, अग्निशमन उपकरण एवं जल निकास व्यवस्था होनी चाहिए।

27. खतरनाक माल के आयात कंटेनरों का प्रहस्तन.—(1) खतरनाक माल को उतारने के इच्छुक जहाज के अधिपति/मालिक/अधिकर्ता पत्तन में खतरनाक माल के जहाज के आगमन से कम से कम 48 घण्टे (अड़तालीस घण्टे) पहले सक्षम अधिकारी को निम्नलिखित दस्तावेज प्रस्तुत करेंगे :

- (क) खतरनाक माल को लादने/उतारने का आवेदन (अनुसूची I में विनिर्दिष्ट प्रपत्र-I);
- (ख) खतरनाक माल का घोषणा पत्र (अनुसूची I में विनिर्दिष्ट प्रपत्र-II);
- (ग) बहुविध खतरनाक माल का प्रपत्र (अनुसूची I में विनिर्दिष्ट प्रपत्र-III);
- (घ) खतरनाक माल का घोषणा पत्र (गैस सिलेण्डर के आयात के मामले में अनुसूची I में विनिर्दिष्ट प्रपत्र-IV)
- (ङ.) खतरनाक माल के नौभरण की विस्तृत योजना और जलयान पर उसकी अवस्थिति दी जानी चाहिए;
- (च) परिवहन आपातकालीन कार्ड।

(2) इन दस्तावेजों के प्राप्त होने पर सक्षम प्राधिकारी जलयान के अधिपति/मालिक/अधिकर्ता को खतरनाक माल उतारने के लिए निदेश देंगे।

(3) इस पत्तन में आने वाले किसी भी जलयान के अधिपति को खतरनाक माल के संबंध में (पत्तन में निकासी और आगमन दोनों के लिए) पायलट को हस्ताक्षरित घोषणा-पत्र देना होगा।

(4) जलयान के घाट पर लगने के बाद जलयान का अधिपति "शिप-शोर" जांचसूची प्रस्तुत करेगा (अनुसूची-I में बताया गया प्रपत्र-V)।

(5) जलयान से निकासी के बाद खतरनाक माल के कंटेनर को कंटेनर यार्ड में विशेष संग्रहण स्थल पर ले जाया जाएगा जहाँ उन्हें प्रथक्करण की आवश्यकतानुसार रखा जाएगा।

(6) पत्तन में खतरनाक माल मंगाने वाले मालिकों/अधिकर्ताओं को यह सुनिश्चित करना होगा कि माल की त्वरित निकासी के लिए सभी औपचारिकताएँ जल्द से जल्द पूरी कर ली जाएँ जिससे कि पत्तन और उसके पर्यावरण को कोई नुकसान न पहुँचे। यदि अधिपति/मालिक/अधिकर्ता ऐसा नहीं कर पाते हैं या उस खतरनाक माल से पत्तन के पर्यावरण को कोई नुकसान पहुँचता है तो सक्षम प्राधिकारी पत्तन की सुरक्षा के लिए आवश्यक कदम उठा सकते हैं और जो भी व्यय हो उसकी वसूली उस माल के अधिपति/मालिक/अधिकर्ता से कर सकते हैं।

(7) सीमा शुल्क विभाग द्वारा खतरनाक माल की निकासी की अनुमति सीमा शुल्क विभाग के प्राधिकारियों की आवश्यकताओं के अनुसार होगी। ऐसी कोई भी जांच/सीमा शुल्क विभाग द्वारा परीक्षण/नमूने निकालने की कार्रवाई, जिसके लिए खतरनाक माल को खोलने की आवश्यकता होगी, उस खतरनाक माल की श्रेणी के अनुरूप सुरक्षा सावधानियों और निर्माता द्वारा माल को खोलने/प्रहस्तन करने के लिए निर्दिष्ट अनुदेशों के अनुसार की जाएगी।

28. जुर्माना.—(1) किसी भी विनियम का उल्लंघन करने वाले व्यक्ति को अधिकतम एक लाख रुपये केवल (रु. 1,00,000) का जुर्माना देना होगा और यदि उल्लंघन जारी रहता है तो उल्लंघन की अवधि के लिए पांच हजार रुपये प्रतिदिन (रु. 5000) या उसके अंशों में जुर्माना देना होगा। यह जुर्माना लागू पत्तन विनियमों के अनुसार की गई कार्रवाई के लिए वसूल की जाने वाली राशि के अलावा अदा करना होगा।

(2) यदि उल्लंघन जारी रहता है तो सक्षम प्राधिकारी अध्यक्ष की अनुमति से जलयान को घाट से हटवा सकते हैं।

29. दुर्घटनाओं की सूचना.—(1) किसी दुर्घटना की सूचना संबंधित अधिनियम और उसके अंतर्गत बनाए गए नियमों/विनियमों की संबंधित धारा के अधीन निम्नलिखित को दी जाएगी :—

- (क) संबंधित सरकारी प्राधिकारियों को (उदाहरण के लिए गोदी सुरक्षा निरीक्षणालय, मुख्य विस्फोटक नियंत्रक, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, नजदीकी पुलिस थाने के प्रभारी अधिकारी आदि को);
- (ख) पत्तन प्राधिकारियों को (उप-संरक्षक, सुरक्षा अधीक्षक आदि को)।

(2) संबंधित सरकारी प्राधिकारी अथवा पत्तन प्राधिकारी का आगमन लम्बित होने पर अथवा जब तक संबंधित सरकारी प्राधिकारी अथवा पत्तन प्राधिकारी से यह अनुदेश नहीं मिल जाता कि वे और कोई परीक्षण या जांच नहीं करना चाहते हैं तो समस्त मलबे और कचरे को तब तक नहीं हटाया जाएगा जब तक कि उसे हटाना घायल व्यक्तियों को बचाने या अगर दुर्घटना में कोई व्यक्ति मारे गए हों, तो उनके शरीर निकालने के लिए आवश्यक न हो।

30. जांच.—पत्तन प्राधिकारी द्वारा भी दुर्घटना की जांच की जाएगी।

31. छूट देने की शक्ति.—सक्षम प्राधिकारी की सलाह से अध्यक्ष असाधारण मामलों में किसी व्यक्ति अथवा खतरनाक माल के परेषण को इस विनियमावली के किसी अथवा समस्त प्रावधानों से सशर्त अथवा बिना शर्त छूट दे सकते हैं।

32. परिवर्तन.—अध्यक्ष किसी भी समय सक्षम प्राधिकारी की सलाह से इस विनियमावली तथा इसमें बताई गई विधियों को बिना किसी पूर्व सूचना के बदल सकते हैं।

[फा. सं. पी आर-16012/3/2005-पी.जी.]

ए.के. भल्ला, संयुक्त सचिव

अनुसूची-II

प्रपत्र-I

(विनियम-5, 27 देखें)

खतरनाक माल की निकासी अथवा लदाई का आवेदन पत्र

विषय : खतरनाक माल की निकासी और/या लदाई के लिए आवेदन

संदर्भ : जलयान का नाम और यात्रा संख्या तथा निश्चित तारीख

महोदय,

1. उपर्युक्त जलयान के (पिछले पत्तन का नाम) से दि. को इस पत्तन में आने की संभावना है।
2. जलयान पर इस पत्तन में उतारा जाने वाला खतरनाक माल है। (प्रपत्र II, III, IV में पृथक सूची संलग्न करें)
3. जलयान का आगमन के लिए खतरनाक माल भी है जिसे अगले पत्तन में उतारा जाएगा। (प्रपत्र II, III, में पृथक सूची संलग्न करें)
4. हम इस जलयान पर पत्तनों के लिए खतरनाक माल लादना चाहते हैं। (प्रपत्र II, III में पृथक सूची संलग्न करें)
5. कृपया अपनी दे तथा संलग्न सूची में बताए गए कार्यों के लिए आवश्यक अनुमति और अनुदेश देने की कृपा करें।

सधन्यवाद,

भवदीय,

जलयान के अभिकर्ता के हस्ताक्षर और मुहर

संलग्न :

1. खतरनाक माल का घोषणा पत्र
2. विविध खतरनाक माल का घोषणा पत्र
3. संपीड़ित गैस सिलेंडरों के मामले में खतरनाक माल का घोषणा पत्र
4. रेडियोधर्मीय सुरक्षा प्रभाग, परमाणु ऊर्जा नियामक बोर्ड की अनुमति

प्रतिलिपि :

1. वरिष्ठ निरीक्षक (कंटेनर टर्मिनल)
2. सुरक्षा अधीक्षक
3. सहायक निरीक्षक (सुरक्षा), गोदी सुरक्षा निरीक्षणालय

प्रपत्र-II

(विनियम-5, 27 देखें)

खतरनाक माल का घोषणापत्र

जलयान का नाम :

यात्रा संख्या :

पिछला पत्तन :

अगला पत्तन :

क्रम सं.	कंटेनर सं.	सही तकनीकी नाम	ज्वलनांक	यू.एन. संख्या सेवा/प्रथमोपचार मार्गदर्शिका	जलयान पर नौभरण स्थिति	सकल मात्रा	अभ्युक्ति
----------	------------	----------------	----------	--	-----------------------	------------	-----------

दिनांक :

जलयान के अधिपति/अधिकर्ता के हस्ताक्षर और मुहर

प्रपत्र-III

(विनियम-5, 27 देखें)

विविध खतरनाक माल का घोषणापत्र

1. नौवाहक/परेषक/प्रेषक
2. परिवहन दस्तावेज सं.
3. पृष्ठ 1 का पहला
4. नौवाहक का संदर्भ
5. माल के अप्रेषणकर्ता का संदर्भ
6. परेषिति

6.1 अधिसूचित पार्टी का :

नौवाहक का घोषणापत्र :

मैं घोषणा करता हूँ कि इस परेषण की सामग्री का उचित नौवहन नाम द्वारा नीचे पूरा और सटीक विवरण दिया गया है तथा यह लागू होने वाली अंतरराष्ट्रीय तथा सरकारी विनियमावलियों के अनुसार वर्गीकृत/पैकबंद/चिन्हित किया गया है/इस पर लेबल/प्लैकार्ड/लगाए गए हैं तथा यह परिवहन के लिए उचित स्थिति में है।

7. वाहक (वाहक द्वारा पूरा किया जाए)
8. यह परेषण यात्री और कार्गो के लिए निर्धारित सीमाओं के अंदर है
9. ग्रहस्तन की अतिरिक्त सूचना
10. जलयान/उड़ान सं. और तारीख
11. पत्तन/स्थान जहां से लादा गया
12. पत्तन/स्थान जहां उतारा जाना है
13. गंतव्य
14. नौवहन चिन्ह *पैकों की सं. और प्रकार; माल का विवरण
सकल भार (कि.ग्रा.) निवल भार (घन.मी.)
15. कंटेनर पहचान सं./वाहन पंजीकरण सं.

कंटेनर/वाहन पैकिंग प्रमाणपत्र

मैं घोषणा करता हूँ कि ऊपर बताया गया माल लागू होने वाले प्रावधानों ** के अनुसार ऊपर निर्दिष्ट कंटेनर/वाहन में पैक किया/लादा गया है। (सभी कंटेनरों/वाहनों के लिए उस व्यक्ति द्वारा भरकर हस्ताक्षरित किया जाए जो उसके लिए जिम्मेदार हो)

16. मुहर संख्या(ए)
17. कंटेनर/वाहन का
आकार एवं प्रकार
18. टैयर भार (कि.ग्रा.)
19. कुल सकल भार (टैयर भार सहित) (कि.ग्रा.)
20. कम्पनी का नाम
घोषणा करने वाले का नाम और पद
स्थान और तारीख
घोषणा करने वाले के हस्ताक्षर
21. प्राप्त करने वाले संगठन की पावती जब तक अन्यथा स्पष्ट न किया गया हो
तब तक, उक्त संख्या में पैकेज/कंटेनर/ट्रेलर अच्छी हालत में प्राप्त किए
प्राप्त करने वाले संगठन की टिप्पणी :
परिवहन करने वाले का नाम
वाहन पंजीकरण संख्या
हस्ताक्षर और तारीख
चालक के हस्ताक्षर
22. यह नोट तैयार करने वाले
नौवाहक की कम्पनी का नाम
घोषणा करने वाले का नाम और पद
स्थान और तारीख
घोषणा करने वाले के हस्ताक्षर

*** खतरनाक माल :**

कृपया उचित नौवहन नाम, खतरे की श्रेणी, संयुक्त राष्ट्र संख्या, पैकिंग समूह (यदि हो तो) समुद्री प्रदूषक आदि स्पष्ट करें तथा लागू होने वाले राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सरकारी विनियमों की आज्ञापक आवश्यकताओं का पालन करें। आईएमडीजी कोड के लिए 5.4.1.4 देखें।

**** आईएमडीजी कोड के लिए 5.4.2 देखें।**

प्रपत्र-IV

(विनियम-5, 27 देखें)

गैस सिलेंडरों के आयात के मामले में खतरनाक माल का घोषणापत्र

संपीड़ित गैस लाने वाले जलयान के पत्तन में प्रवेश करने से पहले उसके अधिपति या अभिकर्ता द्वारा दिया जाने वाला घोषणा पत्र

जलयान का नाम :

यात्रा सं. :

भरे हुए सिलेंडरों का विवरण	गैस का सही रासायनिक नाम और प्रकृति अर्थात् ज्वलनशील, संक्षारक अथवा विषैली है या नहीं	जलयान में ले जाई जा रही कुल मात्रा		पत्तन में उतारी जाने वाली मात्रा		अभ्युक्ति
		सिलेंडरों की संख्या	कि.ग्रा. अथवा घन मीटर गैस	सिलेंडरों की संख्या	कि.ग्रा. अथवा घन मीटर गैस	

दिनांक :

जलयान के अधिपति/अभिकर्ता के हस्ताक्षर मुहर सहित

प्रपत्र- V

(विनियम-27 देखें)

खतरनाक माल के लिए जलयान की जाँच सूची

जलयान का नाम :	यात्रा संख्या :
पिछला पत्तन :	अगला पत्तन :
घाट संख्या :	तारीख :

भरने के लिए अनुदेश : सभी प्रश्नों के उत्तर 'हाँ' में होने चाहिए। जहाँ उत्तर 'हाँ' में न हो, वहाँ उसके कारण स्पष्ट किए जाने चाहिए।

क्र. सं.	विवरण	हाँ	नहीं	अभ्युक्ति
01	क्या जलयान ठीक से बाँधा गया है ?			
02	क्या जलयान कोडेंक पर प्रभावी रूप से निगरानी की जाती है ?			
03	क्या जलयान से तट पर संपर्क करने के लिए संचार प्रणाली ठीक से कार्य कर रही है ?			
04	क्या अग्निशमन होज़ और उपस्कर तत्काल उपयोग के लिए तैयार हैं ?			
05	क्या समुद्र और जलयान के निकासी वाल्व उपयोग न होने की स्थिति में ठीक से बंद हैं ताकि जलयान पर प्रदूषण न हो ?			
06	क्या कार्यक्षेत्र में 'धूम्रपान मना है' के संकेत प्रमुखता से लगाए गए हैं और क्या धूम्रपान न करने के प्रतिबंध का पालन हो रहा है ?			
07	क्या रसोईघर और भोजन बनाने के अन्य उपस्करों के उपयोग संबंधी आवश्यकताओं का पालन हो रहा है ?			
08	क्या खुली लाइटों के उपयोग पर प्रतिबंधों का पालन किया जा रहा है ?			
09	क्या कर्मियों के उपयोग के लिए निजी सुरक्षा उपस्कर हैं ?			
10	क्या कार्य करने के लिए कार्य क्षेत्र में पर्याप्त प्रकाश है ?			
11	क्या प्रहस्तन उपस्कर ठीक तरह से जाँच करके उपयोग के लिए उपयुक्त प्रमाणित किए गए हैं ? (यदि जलयान के उपस्करों का उपयोग किया जाना हो)			
12	क्या आप कार्गो के लिए निर्धारित आपातकालीन प्रबंधन योजना कार्यान्वित करने के लिए तैयार हैं ?			
13	क्या आपके पास एमएफएजी संहिता में निर्धारित आवश्यक विस्फुर/प्रतिकारक हैं ?			
14	क्या कार्यक्षेत्र के आस-पास गर्म कार्यों द्वारा किए जाने वाले मरम्मत के काम रोक दिए गए हैं ?			
15	क्या कंटेनरों, पैकेजों, कारबॉय, बोतलों या ड्रमों या पैकिंग के किन्हीं अन्य साधनों में किसी प्रकार की क्षति, रिसाव तो नहीं है और वे पूर्णतः सुरक्षित हैं ?			

दिनांक :

आधिकारिक मुहर सहित अधिपति का नाम और हस्ताक्षर

टिप्पणी : किसी भी जलयान पर खतरनाक माल का प्रहस्तन तब तक प्रारंभ नहीं होगा जब तक जाँच सूची पर जलयान के अधिपति के हस्ताक्षर नहीं हो जाते। साथ ही, यदि कोई उत्तर 'नहीं' में हो तो खतरनाक माल का प्रहस्तन प्रारंभ करने से पहले सक्षम प्राधिकारी की अनुमति आवश्यक होगी।

प्रपत्र- VI

(विनियम-23 देखें)

रेडियोधर्मिता सुरक्षा प्रभाग, परमाणु ऊर्जा नियामक बोर्ड की अनुमति

पत्तन की अनुमति के लिए रेडियोधर्मिता सुरक्षा प्रभाग, परमाणु ऊर्जा नियामक बोर्ड को प्रस्तुत किया जाने वाला रेडियोधर्मिता कार्गो के आगमन/परिवहन का विवरण (आयातक/नौवाहक द्वारा प्रस्तुत किया जाए)

- | | | |
|--|---|----------------|
| 1. पैकेज भेजने वाले (प्रेषक/प्रेषक) का नाम | : | |
| 2. पैकेज पाने वाले (प्रेषिती/प्राप्तकर्ता) का नाम | : | |
| 3. उचित नौवाहन नाम | : | |
| 4. संयुक्त राष्ट्र द्वारा प्रदत्त खतरनाक माल की श्रेणी | : | 7 |
| 5. संयुक्त राष्ट्र द्वारा प्रदत्त संख्या | : | सं. रा. संख्या |

6. अन्य खतरे (संक्षरक/विस्फोटक आदि) :
7. (क) रेडियोधर्मी सामग्री का नाम :
- (ख) रेडियोधर्मी सामग्री का प्रकार : विशेष प्रकार/अन्य प्रकार
8. रेडियोधर्मी सामग्री की मात्रा/सक्रियता : जीबीक्यू (सीआई)
9. पैकेज का विवरण :
- (क) पैकेज/कंटेनर का माप-जोख
- (ख) पैकेज का वजन
- (ग) पैकेज का प्रकार*
- (जैसे आई पी 1/2/3, ए, बी (यू)/(एम), सी)
10. पैकेज/कंटेनर की सतह पर रेडियोधर्मीता : एमएसवी/एच
11. पैकेज का परिवहन सूचकांक :
12. पैकेज की श्रेणी : (i)-सफेद/(ii)-पीला/(iii)-पीला
13. (क) जलयान का नाम :
- (ख) यात्रा संख्या :
14. जलयान के आगमन की तारीख :
- (निश्चित तारीख न मालूम होने पर संभावित तारीख लिखें)
15. पत्तन से गंतव्य तक परिवहन का साधन**
- (पारगमनीय नौभार के मामले में लागू नहीं)
16. कोई अन्य जानकारी (जो परेषण को पहचानने और उसकी स्थिति :
- का पता लगाने में सहायक हो)
- * बी(यू)/एम या सी प्रकार के पैकेजों के मामले में सक्षम प्राधिकारी पहचान संख्या भी दी जानी चाहिए ।
- ** यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि वाहक के पास 'ट्रेमकार्ड' हो ।
- मैं घोषित करता हूँ कि इस परेषण की वस्तु का ऊपर दिया गया विवरण पूर्ण और सही है ।

आयातक/नौवाहक के प्राधिकृत हस्ताक्षरकर्ता के हस्ताक्षर

दिनांक

नाम और पता

संख्या की मुहर

तारीख

संदर्भ : पऊनिप/आरएसडी/20...../

आयातक/नौवाहक द्वारा दी गई जानकारी के आधार पर रे.सु.प्र.ऊ./प.नि. प को उक्त कार्गो के पत्तन में लाए जाने पर कोई आपत्ति नहीं है । यह परेषण रेडियोधर्मीता की दृष्टि से लदाई, उतराई, नौभरण और भण्डारण के लिए सुरक्षित है ।

परिवहन किए जा रहे परेषण के मामले में यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि रेडियोधर्मी कार्गो पत्तन में न उतार दिया जाए ।

दिनांक

हस्ताक्षर :

नाम :

मुहर :

अनुसूची III

पत्तन क्षेत्र में खतरनाक कार्गो की पृथक्करण सारणी

श्रेणी		2.1	2.2	2.3	3	4.1	4.2	4.3	5.1	5.2	6.1	8	9
ज्वलनशील गैसें	2.1	0	0	0	s	a	s	0	s	s	0	a	0
अविषाक्त, अज्वलनशील गैसें	2.2	0	0	0	a	0	a	0	0	a	0	0	0
जहरीली गैसें	2.3	0	0	0	s	0	s	0	0	s	0	0	0
ज्वलनशील द्रव	3	S	a	s	0	0	s	a	s	s	0	0	0
ज्वलनशील ठोस	4.1	A	0	0	0	0	a	0	a	s	0	a	0
स्वतः ज्वलनशील पदार्थ	4.2	S	a	s	s	a	0	a	s	s	a	a	0
ऐसे पदार्थ जो गीले होने पर खतरनाक हों	4.3	0	0	0	a	0	a	0	s	s	0	a	0
ऑक्सीकारक पदार्थ	5.1	S	0	0	s	a	s	s	0	s	a	s	0
विष (द्रव एवं ठोस)	5.2	S	a	s	s	s	s	s	s	0	a	s	0
संक्षारक (द्रव एवं ठोस)	6.1	0	0	0	0	0	a	0	a	a	0	0	0
कार्बनिक परॉक्साइड	8	A	0	0	0	a	a	a	s	s	0	0	0
विभिन्न खतरनाक पदार्थ और मर्दे	9	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0

पृथक्करण सारणी घर टिप्पणी :

श्रेणी 1 (श्रेणी 1.4 एस के अलावा), 6.2 और 7 के कार्गो पत्तन में सीधे नौवहन या प्रेषण के लिए ही आने देने चाहिए। यह श्रेणियाँ सारणी में शामिल नहीं की गई हैं। लेकिन यदि किन्हीं अनपेक्षित परिस्थितियों के कारण इन कार्गो को कुछ समय के लिए रखना पड़े, तो इन्हें इसके लिए निर्धारित क्षेत्र में ही रखना चाहिए। पत्तन प्राधिकारी को आईएमडीजी संहिता में अलग-अलग श्रेणियों के लिए बताई गई प्रथक्करण आवश्यकताओं को ध्यान में रखना चाहिए।

प्रथक्करण सारणी की टिप्पणी

पत्तन क्षेत्र में खतरनाक कार्गो को अस्थायी रूप से रखने के लिए प्रथक्करण परामर्श

1. श्रेणी 1 (श्रेणी 1.4 एस को छोड़कर), 6.2 और 7 के खतरनाक कार्गो की प्राप्ति और भण्डारण प्रत्येक पत्तन के विशेष नियमों के अंतर्गत किया जाना चाहिए क्योंकि प्रत्येक टर्मिनल या घाट पर प्रहस्तन सुविधाएं बहुत अलग-अलग होती हैं। यह नियम पत्तन की सुरक्षा के लिए जिम्मेदार अधिकारियों की सहमति से तय किए जाने चाहिए।

2. पत्तन क्षेत्र में भेजे गए सभी खतरनाक कार्गो पर चिन्ह लगाने, उसके प्रलेखन पैकिंग, लेबल लगाने और इशितहार लगाने का कार्य आईएमडीजी कोड के अनुसार ही किया जाना चाहिए।

3. खतरनाक कार्गो का पृथक्करण आईएमडीजी कोड के सामान्य परिचय की धारा 15 के अनुसार निम्नलिखित रूप से किया जाना चाहिए।

3.1 पैकेज/आईबीसी/ट्रेलर/प्लेट रेक या प्लेटफार्म कंटेनर

ओ=संबंधित अनुसूची में पृथक्करण आवश्यक होने पर ही अन्यथा नहीं

ए=से दूर-कम से कम 3 मीटर प्रथक रखना आवश्यक

एस=से अलग-खुले क्षेत्र में कम से कम 6 मीटर प्रथक रखना आवश्यक और शोड या भंडार गृहों में यदि स्वीकृत अग्निरोधी दीवार बीच में न हो तो कम से कम 12 मीटर प्रथक रखना आवश्यक।

3.2 बंद कंटेनरों/सुवाह टैंकों/बंद वाहनों के लिए

ओ=पृथक्करण आवश्यक नहीं

ए=से दूर पृथक्करण आवश्यक नहीं

एस=से अलग-खुले क्षेत्र में, अलग-बगल कम से कम 3 मीटर का पृथक्करण आवश्यक है। शोड या भण्डारगृहों में अलग-बगल यदि स्वीकृत मोटोई की अग्निरोधी दीवार में न हो तो कम से कम 6 मीटर का प्रथक्करण आवश्यक है।

3.3 खुले वाहनों/रेलवे फ्रेट वैगनों/ऊपर से खुले कंटेनरों के लिए

ओ=पृथक्करण आवश्यक नहीं

ए=से दूर पृथक्करण आवश्यक नहीं

एस=से अलग-खुले क्षेत्र में, अलग-बगल कम से कम 3 मीटर का पृथक्करण आवश्यक है। शेड या भण्डारगृहों में अलग-बगल यदि स्वीकृत मोटाई की अग्निरधी दीवार बीच में न हो तो कम से कम 6 मीटर का पृथक्करण आवश्यक है।

टिप्पणी :

1. फ्रेट कंटेनरों, सुवाह्य टैंकों, लॉरियों, फ्लैट रेकों अथवा प्लेटफार्म कंटेनरों ट्रेलरों या रेल डिब्बों के लिए 3 मी. की दूरी एक मानक 20 फीट कंटेनर की चौड़ाई या पटरियों के बीच की चौड़ाई, एक ट्रेलर की लेन के बराबर या क्रमिक रेल डिब्बों के मामले में अनुलम्ब बफर स्थान के बराबर है।

2. हालाँकि दी गई पृथक्करण सारणी में '0' यह दर्शाता है कि सामान्यतः पृथक्करण की आवश्यकता नहीं है किन्तु फिर भी संबंधित आईएमडीजी कोड का ध्यान रखा जाना चाहिए। आईएमडीजी कोड की सामान्य पृथक्करण सारणी (15.1.16) में '0' के स्थान पर 'X' का प्रयोग किया गया है। अतः यह स्पष्ट करने के लिए कि दोनों पृथक्करण सारणियों का उपयोग अलग-अलग है यह परिवर्तन सोच समझकर किया गया है।

3. बंद यूनिट का अर्थ है ऐसी यूनिट जिसमें खतरनाक माल पर्याप्त रूप से मजबूत दीवारों जैसे फ्रेट कंटेनर, टैंक या वाहन के बीच बंद है। कपड़े की दीवारों या छत वाली यूनिटें बंद यूनिट नहीं हैं।

4. सामान्य

4.1 अप्रत्यक्ष खतरे वाले खतरनाक कार्गो के मामले में यदि खतरा तीव्र हो तो उसके लिए आवश्यक पृथक्करण लगाए जाने चाहिए। यदि एक से अधिक श्रेणी के खतरनाक कार्गो ले जाए जा रहे हों तो उच्चतर श्रेणी के खतरनाक कार्गो के अनुसार पृथक्करण लगाए जाने चाहिए।

4.2 अलग-अलग श्रेणियों के खतरनाक कार्गो जिन्हें कंटेनरों में पैकबंद न किया हो, उन्हें एक दूसरे के ऊपर नहीं रखना चाहिए। यह बात उन खतरनाक कार्गो पर और श्रेणी 8 के कुछ कार्गो पर भी लागू होती है जो हों तो एक श्रेणी के ही, लेकिन उनके अप्रत्यक्ष खतरे अलग-अलग हों।

4.3 खतरनाक माल के कंटेनरों, टैंक कंटेनरों और सुवाह्य टैंकों को यथा संभव एक दूसरे के ऊपर या बहुत निकट नहीं रखा जाना चाहिए। उन्हें एक के ऊपर एक या आस-पास तभी रखा जा सकता है जब उनमें एक ही श्रेणी का खतरनाक माल हो। यह बात श्रेणी 8 के विभिन्न कार्गो वाले कंटेनरों पर लागू नहीं होती। कंटेनरों को इस प्रकार रखा जाना चाहिए कि आवश्यकता पड़ने पर उसके दरवाजों और दोनों दीवारों की तरफ पहुंचा जा सके।

4.4 ऐसे खतरनाक माल को, जिस पर विषैला होने की पचीं लगी हो, खाने-पीने और जानवरों के आहार से दूर रखा जाना चाहिए।

4.5 यह पृथक्करण आवश्यकताएं भण्डारण क्षेत्र में और पत्तन क्षेत्र में वाहनों पर रखे गए खतरनाक माल के लिए ही लागू होती हैं।

4.6 अलग-अलग पैकेजों के अलावा सभी खतरनाक माल के बीच कम से कम 1 मीटर की दूरी रखनी चाहिए जिससे कि बीच से आवागमन संभव हो सके।

अनुसूची-IV

अं.स.ख. माल संहिता की श्रेणी 2 से 9 का प्रहस्तन

1. अं.स.ख. माल की श्रेणी 2—गैसों का प्रहस्तन और भण्डारण

(क) परिभाषा और वर्गीकरण :- इस श्रेणी में अं.स.ख. माल की संहिता की श्रेणी 2 की सभी प्रकार की गैसों/कार्गो शामिल हैं जिन्हें निम्नलिखित रूप से उपविभाजित किया गया है -

- (i) श्रेणी 2.1 - ज्वलनशील गैसें
- (ii) श्रेणी 2.2 - अज्वलनशील गैसें
- (iii) श्रेणी 2.3 - विषैली गैसें
- (ख) सामान्य आवश्यकताएं :-

- (i) जहाँ तक भारत में निर्मित सिलेंडरों के निर्माण, उसके साज-सामान, उस पर चिन्हांकन, रंग संकेत और लेबल लगाने के कार्य का प्रश्न है, यदि सिलेंडर 1000 लीटर से कम क्षमता का हो तो गैस सिलेंडर विनियमावली, 1981 और यदि 1000 लीटर से

अधिक क्षमता का हो तो (एकीकृत) नियम, 1981 के अनुसार किया जाएगा। आयातित सिलेंडरों पर अं.स.ख. माल संहिता के अनुसार यह चिन्ह लगाया जाएगा कि उपयुक्त प्राधिकारी ने सिलेंडर की जाँच करके उसे प्रमाणित किया है।

- (ii) गैस सिलेंडरों/कंटेनरों के बाल्व की सुरक्षा के लिए या तो उस सिलेंडर/कंटेनर की अभिकल्पना इस प्रकार की जाएगी या फिर उस सिलेंडर/कंटेनर पर धातु का एक ढक्कन अच्छी तरह से ऐसे लगाया जाएगा कि उस ढक्कन और बाल्व या बाल्व बॉडी का कोई हिस्सा आपस में न छूए।
- (iii) सिलेंडर/कंटेनर पर गैस के नाम की पर्ची या चिन्ह स्पष्ट रूप से लगाया जाना चाहिए। जिन पात्रों में गैस सिलेंडर/कंटेनर पैक किए जाएंगे उन पर भी इसी प्रकार चिन्ह या लेबल लगाया जाना चाहिए।
- (ग) सिलेंडरों के प्रहस्तन और प्रयोग में सावधानियाँ :-
 - (i) प्रहस्तन के दौरान सिलेंडरों को पर्याप्त आधार दिया जाना चाहिए।
 - (ii) सिलेंडरों को खिसकाने/हटाने के वक्त मजबूत ट्रालियों और ढाँचों का उपयोग किया जाना चाहिए।
 - (iii) सिलेंडरों का प्रहस्तन सावधानीपूर्वक किया जाना चाहिए और यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि वे एक-दूसरे पर न गिरें या और किसी प्रकार से उन्हें झटका न लगे।
 - (iv) सिलेंडरों को फिसलाना, गिराना, या उनसे किसी प्रकार का खिलवाड़ करना मना है।
 - (v) सिलेंडरों तथा द्रवणीय गैसों के सिलेंडरों को हमेशा खड़ा (अभिलम्ब) रखा जाना चाहिए और ऐसी जगह पर रखा जाना चाहिए जहाँ वे ठोकर लगने से गिरें नहीं।
 - (vi) आड़े (ऊर्ध्वाधर) रखे गए सिलेंडरों को बांध दिया जाना चाहिए जिससे वे लुढ़के नहीं।
 - (vii) वैल्विंग, काटने या गर्म करने के लिए उपयोग किए जाने वाले सिलेंडरों के अलावा ज्वलनशील गैसों के सिलेंडरों के आस-पास किसी भी प्रकार की आग, प्रकाश, आग जलाने, वैल्विंग और धूम्रपान की मनाही होनी चाहिए।
 - (viii) सभी गैस सिलेंडरों/कंटेनरों को लदाई/प्रहस्तन/निकासी के दौरान ट्रे पर रखा जाना चाहिए। लेकिन यदि यह संभव न हो तो सक्षम प्राधिकारी द्वारा निर्धारित सुरक्षित किसी अन्य सुरक्षित तरीके जैसे स्लिंग आदि से कार्य किया जाना चाहिए।
 - (ix) सिलेंडरों/कंटेनरों के बाल्वों और अन्य साज-सामान को तैलीय और वसायुक्त पदार्थों से दूषित होने से बचाने के लिए सभी संभव उपाय किए जाने चाहिए।
 - (x) ज्वलनशील या विषैली गैसों वाले सिलेंडरों/कंटेनरों का प्रहस्तन अलग से किया जाना चाहिए तथा उन्हें हर समय एक दूसरे से और अन्य प्रकार की गैसों के सिलेंडरों से दूर रखा जाना चाहिए।
 - (xi) गैस सिलेंडरों/कंटेनरों को सभी समय सीधी धूप और गर्मी के अन्य स्रोतों से बचाना चाहिए।
 - (xii) गैस सिलेंडरों/कंटेनरों को अन्य कार्यों के साथ नहीं रखा जाना चाहिए।

(घ) खाली सिलेंडर/कंटेनर :- जब तक खाली सिलेंडरों/कंटेनरों की गैस पूरी तरह से नहीं निकाल ली जाती, तब तक यह नियम उनके प्रहस्तन पर भी लागू होंगे।

2. अं.स.ख. माल संहिता की श्रेणी 3—ज्वलनशील द्रवों का पैकबंद रूप में प्रहस्तन और भण्डारण

(क) परिभाषा और वर्गीकरण :-

- (i) इस श्रेणी में ड्रमों, पात्रों और डिब्बों में पैकबंद आईएमडीजी संहिता की श्रेणी III के ज्वलनशील द्रव आते हैं। पेट्रोलियम उत्पादों के कंटेनर, पेट्रोलियम अधिनियम, 1934 और उसके अंतर्गत बनाई गई विनियमावलियों के अनुसार होंगे।
- (ii) इस विनियमावली के उद्देश्य के लिए ज्वलनशील द्रवों को बंद कप परीक्षण के आधार पर निर्धारित ज्वलनांकों के अनुसार निम्नलिखित वर्गों में बाँटा गया है :
 - (1) निम्न ज्वलनांक वाले द्रवों का समूह जिनका ज्वलनांक -18° सेल्सियस (0° फे) से कम हो
 - (2) मध्यम ज्वलनांक वाले द्रवों का समूह जिनका ज्वलनांक -18° से. (0° फे) से अधिक पर 23° से. (73° फे) से कम हो।
 - (3) उच्च ज्वलनांक वाले द्रवों का समूह जिनका ज्वलनांक -23° से. (73° फे) से अधिक पर 61° से. (141° फे) तक हो।
 - (4) इस विनियमावली के उद्देश्य के लिए 61° से. से अधिक किन्तु 93° से. से कम ज्वलनांक वाले द्रवों को भी पतन में प्रहस्तन किए जाने के समय ज्वलनशील द्रव माना जाएगा।

(ख) ज्वलनशील द्रवों के प्रहस्तन और भण्डारण में सावधानियाँ :-

- (i) इस श्रेणी के द्रवों में पालिमेर बनाने का गुण होता है जिससे खतरनाक गैसों और ऊष्मा निकलती हैं और पात्र फट सकता है। इसलिए इन द्रवों के कंटेनरों/पात्रों का प्रहस्तन करते समय अत्यधिक सावधानी बरतने की आवश्यकता है। इन्हें गिराया, टकराया, लुढ़काया या खराब ढंग से प्रहस्तित नहीं किया जाना चाहिए।
- (ii) इस श्रेणी के लगभग सभी द्रवों में कुछ न कुछ अंश तक बेहोशी लाने का गुण होता है। इनका प्रहस्तन करने वाले कर्मियों को इस खतरे से बचाया जाना चाहिए।
- (iii) जब भी ऐसे माल की लदाई/उतराई या प्रहस्तन किया जाता है तो उन्हें आग के सभी स्रोतों से दूर रखा जाना चाहिए। मार्गस्थ होने के दौरान भी उन्हें ठंडी और हवादार जगहों पर रखा जाना चाहिए।
- (iv) इस क्षेत्र में या उसके आस-पास काम करने वाले सभी कर्मियों पर माचिस, लाइटर, चकमक (पत्थर), या ऐसा कोई सामान लाने पर प्रतिबंध होना चाहिए जिससे चिंगारी उत्पन्न हो।
- (v) जब भी किसी टपकने/रिसने वाले ड्रम का पता लगता है तो उसे सक्षम प्राधिकारी के निर्देशन में अलग-थलग किया जाना चाहिए।
- (vi) ऐसे माल की पैकिंग इस प्रकार की जाती है कि वे बाहरी आग से सुरक्षित रहें। यदि उस पैकिंग को कोई नुकसान पहुँचता है तो उसे सक्षम प्राधिकारी के निर्देशन में ठीक किया जाना चाहिए।
- (vii) इन द्रवों का नमूना लेते समय ऐसे औजारों और तरीकों का उपयोग किया जाना चाहिए जिनमें चिंगारी या आग पैदा न हो।
- (viii) अन्य कार्गों की तुलना में ऐसे कार्गों का पृथक्करण और विभाजन आईएमडीजी संहिता में बताए अनुसार ही किया जाना चाहिए।

3. अं. स. ख. माल संहिता श्रेणी 4 : ठोस पदार्थों का प्रहस्तन और भण्डारण :

(क) परिभाषा और वर्गीकरण : इस विनियमावली के उद्देश्य के लिए ठोस पदार्थों को निम्नलिखित तीन उप-श्रेणियों में बाँटा जाएगा :-

- (i) श्रेणी 4.1 : ज्वलनशील ठोस-इस श्रेणी में ऐसे ठोस पदार्थ होते हैं जो किसी भी बाहरी माध्यम जैसे चिंगारी या आग की लपट से आसानी से आग पकड़ लेते हैं और तेजी से जलते हैं या धर्षण से आग पैदा करते हैं या स्वतः तेजी से जलकर उसे बढ़ाते हैं।
- (ii) श्रेणी 4.2 : स्वतः ज्वलनशील पदार्थ-इस श्रेणी में ऐसे ठोस या तरल पदार्थ होते हैं जिनमें स्वतः गर्म होकर आग पकड़ लेने का गुणधर्म होता है।
- (iii) श्रेणी 4.3 : ऐसे पदार्थ जो पानी के सम्पर्क में आने पर ज्वलनशील गैसों पैदा करते हैं-इस श्रेणी में ऐसे ठोस या तरल पदार्थ होते हैं जिनमें पानी के सम्पर्क में आने पर ज्वलनशील गैसों उत्पन्न करने का गुण होता है। कुछ मामलों में यह स्वतः आग भी पकड़ लेते हैं।

(ख) निम्नलिखित उप-श्रेणियों के प्रहस्तन और भण्डारण में सावधानियाँ :-

(क) ज्वलनशील ठोस (श्रेणी 4.1)-

- (1) इस बात का ध्यान रखा जाना चाहिए कि प्रहस्तन के दौरान पैकेज को कोई नुकसान न हो। ऐसे कार्गों को गिराया, टकराया, लुढ़काया या उसका खराब ढंग से प्रहस्तन नहीं किया जाना चाहिए।
- (2) इस बात का विशेष ध्यान रखा जाना चाहिए कि प्रहस्तन के दौरान कार्गों गिरे-बिखरे नहीं। बिखरने की स्थिति में उसे सक्षम प्राधिकारी द्वारा बताए गए तरीके से हटाया जाना चाहिए।
- (3) किसी भी परिस्थिति में बिखरे हुए ज्वलनशील कार्गों के ऊपर से कोई वाहन या मशीन या अन्य कार्गों गुजरने नहीं देना चाहिए।
- (4) यह सुनिश्चित करना बहुत जरूरी है कि ऐसे कार्गों की लदाई/उतराई/भण्डारण/उसे हटाने समय उसे अन्य कार्गों से सक्षम प्राधिकारी द्वारा निर्धारित दूरी पर रखा जाए।

(ख) स्वतः ज्वलनशील पदार्थ (श्रेणी 4.2)

- (1) श्रेणी 4.1 के लिए लागू होने वाली सभी सावधानियाँ इस श्रेणी पर भी लागू होंगी। इसके अलावा निम्नलिखित प्रतिबंध भी लागू होंगे :-
- (2) यदि पत्तन में रहने की अवधि के दौरान ऐसे कार्गों वायुरुद्ध पैकिंग में हों तो उन्हें पत्तन क्षेत्र में रखे रहने दिया जा सकता है।

(3) स्वतः : ज्वलनशील ठोस पदार्थों को छोटे ढेरों में या तो खतरनाक कार्गो रोड में अथवा किसी ऐसे स्थान पर रखा जाना चाहिए जो उस माल के परेक्षण में दिए गए अनुदेशों में निर्दिष्ट किया गया हो। ऐसे ढेरों के बीच तथा ढेरों और दीवार के बीच उचित स्थान छोड़ा जाना चाहिए। सक्षम प्राधिकारी यह देखने के लिए कि ऐसे कार्गो ज्यादा गरम तो नहीं हो रहे हैं, इन ढेरों की नियमित रूप से जाँच करेंगे। यदि कोई ढेर सामान्य से अधिक गर्म पाया जाता है तो उसके कार्गो को अलग-अलग करके वाहन द्वारा ठंडा किया जाएगा और सुरक्षित ढंग से उसका ढेर लगाया जाएगा।

(iii) ऐसे पदार्थ जो पानी के सम्पर्क में आने पर ज्वलनशील गैसों पैदा करते हैं—(श्रेणी 4.3) वे निम्नलिखित हैं:-

- (1) श्रेणी 4.1 और 4.2 के लिए लागू होने वाली सभी सावधानियाँ इस श्रेणी पर भी लागू होंगी।
- (2) ऐसे ज्वलनशील पदार्थ और ठोस जो पानी के सम्पर्क में आने पर ज्वलनशील गैसों पैदा करते हैं, उन्हें बरसात के समय प्रहस्तित नहीं किया जाएगा। ऐसे पदार्थों के प्रहस्तिन और पारगमन के दौरान भण्डारण के समय इस बात की पूरी सावधानी बरती जानी चाहिए कि वे गीले न हों या नमी के सम्पर्क में न आएँ।
- (3) जैसे कि कुछ पदार्थ नम हवा के सम्पर्क में आने पर भी खतरनाक अभिक्रिया कर सकते हैं इसलिए यदि इस प्रकार के कार्गो वाला कोई कंटेनर क्षतिग्रस्त या टूटा हुआ हो तो उसे सक्षम प्राधिकारी के निर्देशानुसार ही प्रहस्तित किया जाना चाहिए और वे सुरक्षा बनाए रखने के लिए आवश्यक कार्रवाई करेंगे। वे यदि आवश्यक समझें तो कंटेनर को नष्ट करने का आदेश भी दे सकते हैं।

4. अं स. ख. माल संहिता-श्रेणी 5- आक्सीकारक पदार्थों/कार्बनिक पैराक्साइड का प्रहस्तिन और भण्डारण :

(क) परिभाषा एवं वर्गीकरण : इन विनियमों के उद्देश्य के लिए आक्सीकारक पदार्थों/कार्बनिक पैराक्साइड को निम्न दो उप-समूहों में विभाजित किया गया है :-

- (i) श्रेणी 5.1 :- आक्सीकारक पदार्थ (अपचायक एजेन्ट) :- यह ऐसे पदार्थ हैं जो यद्यपि ज्वलनशील नहीं हैं लेकिन आक्सीजन उत्पन्न करके या समान प्रकार की प्रक्रिया से, जिन सामग्रियों के सम्पर्क में वे आते हैं, उनमें आग का जोखिम एवं उसकी तीव्रता को बढ़ा सकते हैं।
- (ii) श्रेणी 5.2 :- कार्बनिक पैराक्साइड-ऐसे कार्बनिक पदार्थ जिनमें द्विसंयोजक 0.0 संरचना होती है एवं जिन्हें हाइड्रोजन पैराक्साइड का व्युत्पन्न माना जा सकता है जहाँ दोनों हाइड्रोजन परमाणु कार्बनिक मूलकों द्वारा प्रतिस्थापित किए गए हों। कार्बनिक पैराक्साइड ऊष्मीय रूप से अस्थायी प्रकृति के पदार्थ हैं, जिनमें स्वगतिशील अपघटन हो सकता है। इसके अलावा, उनमें एक या उससे अधिक निम्नलिखित गुणधर्म भी हो सकते हैं :-

- (1) विस्फोटक अपघटन कर सकते हैं।
- (2) तेजी से जल सकते हैं।
- (3) रगड़ या टक्कर के प्रति संवेदी हैं।
- (4) अन्य पदार्थों के साथ खतरनाक अभिक्रिया कर सकते हैं।
- (5) आखों को नुकसान पहुँचा सकते हैं।

(ख) प्रहस्तिन एवं भण्डारण के सावधानता उपाय :-

(i) आक्सीकारक पदार्थ/आक्सीकारक एजेन्ट (श्रेणी 5.1) निम्नलिखित हैं :-

- (1) इस श्रेणी के सभी पदार्थों में आग के सम्पर्क में आने पर आक्सीजन फैलाने का गुणधर्म होता है एवं इन पदार्थों का मिश्रण कभी-कभी ज्वलनशील पदार्थों की रगड़ या टक्कर मात्र से ही तुरंत सुलगने लगता है। इसलिए ऐसे कार्गो की प्राप्ति से पूर्व सभी नौकाएँ, समुद्री तट के सभी स्थान या भंडारगृह पूरी तरह से साफ किए जाने चाहिए।
- (2) कोई भी क्षतिग्रस्त या रिसता हुआ कंटेनर सक्षम प्राधिकारी के अनुदेशों पर ही चलाया-फिराया जाना चाहिए।
- (3) ऐसे कार्गो के छलकने/बिखरने की दशा में गिरी हुई सामग्री को अलग से साफ किया जाना चाहिए एवं सक्षम प्राधिकारी के निर्देशानुसार उसका निपटारा किया जाना चाहिए। किसी भी स्थिति में, ऐसे छलकाव पर से किसी प्रकार का वजन आदि नहीं गुजारा जाना चाहिए।
- (4) ऐसे पदार्थों को विशेष रूप से अम्लों से पूरी तरह अलग रखा जाना चाहिए क्योंकि वे जहरीली गैसों निकालते हैं।
- (5) सुपुर्दगी या निपटार के बाद नौकाओं एवं उन सभी क्षेत्रों को अच्छी तरह से साफ किया जाना आवश्यक है जहाँ इन कार्गो का भण्डारण किया गया था।

- (6) अमोनियम नाइट्रेट के लिए विशेष प्रतिबंध—आईएमडीजी संहिता के अनुसार पत्तन में लाए जाने वाले अमोनियम नाइट्रेट के लिए कार्बनिक अशुद्धताओं से मुक्त होने का प्रमाणपत्र होना चाहिए। ऐसे कार्गो या जहाज को गोदी के अन्दर आने की अनुमति देने से पूर्व रसायन के निर्माता को देश में सक्षम सरकारी प्राधिकारी द्वारा जारी शुद्धता का प्रमाणपत्र प्रस्तुत करना होगा। उर्वरक श्रेणी के अमोनियम नाइट्रेट पर यह नियम लागू नहीं होगा।

(ii) कार्बनिक पेरॉक्साइड (श्रेणी 5.2) निम्नलिखित हैं :—

- (1) कार्बनिक पेरॉक्साइड का प्रहस्तन :—तरल कार्बनिक पेरॉक्साइड के पात्र बिल्कुल सीधे खड़ी स्थिति में रखकर प्रहस्तित किए जाने चाहिए। हल्के झुकाव से भी छलकाव हो सकता है। यह द्रव पात्र की धातु से या किसी अन्य पदार्थ के सम्पर्क में आकर अभिक्रिया कर सकते हैं जिसके कारण भयानक विस्फोट हो सकता है।
- (2) अन्य कार्बनिक पेरॉक्साइड (जो द्रव अवस्था में नहीं हैं) अत्यंत सावधानी के साथ प्रहस्तित किए जाने चाहिए और उतारने पर सतह से उनके घर्षण को टालने के लिए आवश्यक सतह को प्रयोग किया जाना चाहिए।
- (3) यदि कार्बनिक पेरॉक्साइड के किसी पैकेज/पात्र को क्षतिग्रस्त या रिसते हुए स्थिति में पाया जाता है तो उसे पूरी तरह से पानी से सराबोर कर देना चाहिए एवं सक्षम प्राधिकारी के बताए हुए तरीके के अनुसार उसका निपटारा किया जाना चाहिए। पत्तन क्षेत्र में दोबारा पैकेजिंग या क्षतिग्रस्त पात्र की मरम्मत की अनुमति नहीं है।
- (4) जब ऐसे माल का प्रहस्तन किया जा रहा हो तो पूरे समय अग्निशमन दल को अग्निशमन पाइपों सहित तैयार हालत में रखा जाना चाहिए।
- (5) प्रहस्तन के समय कार्बनिक पेरॉक्साइड आँखों में न जाए इसकी विशेष सावधानी बरतनी चाहिए एवं इस प्रकार के कार्गो का कार्य करते समय आवश्यक सुरक्षात्मक उपस्कर प्रदान किए जाने चाहिए एवं उनका उपयोग किया जाना चाहिए।
- (6) ऐसे कार्गो को हर समय चिनगारी, लपटों या आग के किसी अन्य स्रोत से दूर रखा जाना चाहिए।
- (7) कार्गो के इन पैकेजों को सूरज की सीधी किरणों से बचाया जाना चाहिए एवं अच्छे हवादार स्थानों में इनका भंडारण एवं प्रहस्तन किया जाना चाहिए।
- (8) कार्बनिक पेरॉक्साइड किसी भी अन्य कार्गो से एकदम अलग-थलग प्रहस्तित किए जाने चाहिए।
- (9) ये कार्गो केवल दिन की रोशनी में ही प्रहस्तित किए जाने चाहिए।

5. विषैले पदार्थों का प्रहस्तन एवं भंडारण : आईएमडीजी संहिता श्रेणी-6

(क) परिभाषा और वर्गीकरण : इन विनियमों के उद्देश्य के लिए विषैले पदार्थों को निम्नलिखित दो उप-समूहों में विभाजित किया गया है :—

- (i) श्रेणी 6.1 : विषैले पदार्थ :—विषैले और जहरीले का एक ही अर्थ है। ये पदार्थ निगल लिए जाने या सांस द्वारा अंदर लिए जाने या त्वचा के सम्पर्क में आने पर मृत्यु या गंभीर चोट या मानवीय स्वास्थ्य को नुकसान पहुँचा सकते हैं।
- (ii) श्रेणी 6.2 : संक्रामक पदार्थ—ये वे पदार्थ हैं जिनमें जीवनक्षम सूक्ष्मजीव या उनके जीव-विष होते हैं जिनके कारण जानवरों या मानवों को रोग हो सकता है।

(ख) विषैले पदार्थों के प्रहस्तन एवं भंडारण में सावधानियाँ :—

- (i) पत्तन में लाए गए विषैले पदार्थ के पात्र इस प्रकार से वायुरुद्ध या अच्छी तरह से बंद होने चाहिए कि उनमें से भाप/द्रव/धूलकण आदि न निकल सकें।
- (ii) कार्गो की प्राप्ति और प्रहस्तन से पहले हर बार पात्र/कंटेनर का निरीक्षण किया जाना चाहिए। कोई भी रिसता हुआ या क्षतिग्रस्त पात्र केवल सक्षम प्राधिकारी के अनुदेशों पर ही हिलाया जाना चाहिए।
- (iii) इस श्रेणी के पदार्थ जिनका ज्वलानांक 61 डिग्री से. से कम है, ज्वलनशील द्रवों के रूप में भी परिभाषित किए गए हैं। इसलिए, इस प्रकार के पदार्थों का प्रहस्तन करते समय ज्वलनशील द्रवों के लिए संस्तुत की गई सभी सावधानियों का पालन किया जाना चाहिए एवं उनका भंडारण किसी ठंडे तथा अच्छे हवादार स्थान में किया जाना चाहिए।
- (iv) छलकाव से बचाने के लिए ऐसे कार्गो रखने वाले सभी पात्र सीधी स्थिति में रखे जाने चाहिए।
- (v) ये पदार्थ त्वचा के अवशोषण से अन्तर्ग्रहण से या श्वास द्वारा अंदर लेने पर जहरीले हो सकते हैं। इसलिए, इन पदार्थों के प्रहस्तन में लगे श्रमिकों या किसी अन्य व्यक्ति को सक्षम प्राधिकारी द्वारा निर्धारित उचित व्यक्तिगत सुरक्षात्मक उपस्कर देकर सुरक्षा प्रदान करनी चाहिए।

- (vi) ऐसे पदार्थों के पात्र अन्य कार्यों से पूरी तरह अलग प्रहीस्तत किए जाने चाहिए ।
- (vii) यदि एवं जब इन पदार्थों का भंडारण किसी खुले स्थान पर किया जाए तो उसे उचित रूप से वजनदार तिरपाल से ढँक दिया जाना चाहिए, एवं किसी रिसाव आदि की जाँच करने के लिए बार-बार उसका निरीक्षण किया जाना चाहिए तथा ढेर के ऊपर उचित आईएमडीजी लेबल सुस्पष्ट रूप से अंकित करना चाहिए ताकि समीप में कार्य कर रहे लोग विषैले माल के रूप में उसे पहचान सकें । तथापि, 61 सें. से कम ज्वलनांक वाले पदार्थों का भंडारण किसी ठण्डे तथा अच्छे हवादार स्थान पर किया जाना चाहिए जैसे कि किसी ज्वलनशील द्रव का भंडारण किया जाता है ।
- (viii) निपटान : परिवहन या भंडारण के दौरान टूट-फूट या छलकाव होने की दशा में सामग्री तथा छलकाव के कारण दूषित अन्य किसी माल का निपटान सक्षम प्राधिकारी द्वारा पत्तन स्वास्थ्य अधिकारी की सलाह लेकर निश्चित किया जाएगा एवं सीमा शुल्क प्राधिकारी को उचित रूप से सूचित किया जाएगा ।
- (ग) विषैले पदार्थों से संबंधित किसी प्रकार की दुर्घटना होने की स्थिति में की जाने वाली कार्रवाई :-
 - (i) सक्षम प्राधिकारी को सूचित करें ।
 - (ii) निकटवर्ती लोगों को किसी सुरक्षित स्थान पर जाने का निदेश दें ।
 - (iii) जिन लोगों के विष से प्रभावित हो जाने का संदेह हो उन्हें यदि प्रथमोपचार देना व्यावहारिक हो तो प्रथमोपचार देकर उसके बाद पत्तन न्यास के चिकित्सालय में भेजने का प्रबंध करें ।
 - (iv) अनुभाग का एक जिम्मेदार कर्मचारी इन व्यक्तियों के साथ में रहेगा जो ड्यूटी पर तैनात डॉक्टर को दुर्घटना से संबंधित विष का नाम एवं ज्ञात गुणधर्मों के बारे में जानकारी देगा ।
 - (v) छलकाव के क्षेत्र को विसंदूषित करने के लिए उचित कार्रवाई करें (फैले हुए विष से दूषित माल को निर्दिष्ट विधि से निपटान हेतु अलग रखा जाएगा) ।

(घ) विसंदूषण :- यदि इस श्रेणी के विषैले पदार्थों विशेषतौर पर कीटनाशी द्रवों का छलकाव होता है, तो संबंधित पदार्थ के लिए उचित विसंदूषण कार्रवाई सक्षम पर्यवेक्षण में सम्पन्न की जानी चाहिए।

- (i) यदि इस श्रेणी के कुछ पदार्थों के रिसाव होने का संदेह हो तो किसी भी धारक (होल्ड) या खंड में प्रवेश की अनुमति तब तक नहीं दी जानी चाहिए जब तक कि जलयान के अधिपति या जिम्मेदार अधिकारी सभी सुरक्षा पहलुओं पर गौर न कर लें एवं यह संतोष न कर लें कि ऐसा करना सुरक्षित रहेगा।
- (ii) अन्य परिस्थितियों में, स्वतः पूर्ण रक्षन यंत्र एवं अन्य सुरक्षा कपड़े धारण किए प्रशिक्षित कर्मचारी ही संबंधित धारक (होल्ड) में आपात रूप से प्रवेश कर सकते हैं।

6. रेडियोधर्मी सामग्री का प्रहस्तन एवं भंडारण आईएमडीजी संहिता श्रेणी-7

(क) परिभाषा एवं वर्गीकरण :- इस श्रेणी में आने वाली सामग्री स्वतः काफी विकिरण फैलाती है जिसकी विशिष्ट क्रिया 70 केबीक्यू/किलोग्राम (2 μ सीआई/जी) से अधिक होती है।

(ख) प्रलेखन :-

- (i) रेडियोधर्मी सामग्री के प्रहस्तन या परिवहन के लिए पत्तन का उपयोग करने के इच्छुक मालिक/अधिकर्ता, इन सामग्रियों के प्रहस्तन के संबंध में अनुदेश प्राप्त करने के लिए परमाणु ऊर्जा नियामक बोर्ड (ट्राम्बे) का परामर्श लेंगे।
- (ii) मालिक/अधिकर्ता सक्षम प्राधिकारी को काफी पहले निम्नलिखित दस्तावेजों की प्रतियाँ प्रस्तुत करेंगे जिससे कि ऐसे माल की प्राप्ति के लिए पत्तन प्रबंध कर सके :-
 - (1) आयात के लिए :-
 - (i) रेडियोधर्मी सामग्री के आयात के लिए परमाणु ऊर्जा नियामक बोर्ड (एईआरबी) नियामक भवन, अणुशक्ति नगर, मुंबई-400 094 द्वारा जारी वैध नियामक सहमति/अनापत्ति प्रमाण-पत्र ।
 - (ii) कार्यों के आगमन के विवरण पर प्राधिकृत परेषिती/आयातकर्ता द्वारा विहित प्रपत्र (अनुसूची 1 में वर्णित प्रपत्र VI) में घोषणा पत्र जिसे एईआरबी, मुंबई द्वारा पृष्ठांकित किया गया हो ।
 - (iii) भारत में आयातकर्ता से रेडियोधर्मी सामग्री के परेषण की प्राप्ति के लिए उसकी सहमति का उल्लेख करने वाला प्रमाण-पत्र ।
 - (iv) रेडियोधर्मी सामग्री कार्यों के लिए आयातकर्ता/नौवाहक से परिवहन सूचना

(2) निर्यात के लिए :-

- (i) रेडियोधर्मी सामग्री के निर्यात के लिए परमाणु ऊर्जा नियामक बोर्ड (आईआरबी) नियामक भवन, अणुशक्ति नगर, मुंबई-400 094 द्वारा जारी वैध नियामक सहमति/अनापत्ति प्रमाण-पत्र ।
- (ii) आईएमडीजी संहिता श्रेणी-7 के अनुसार जहाँ भी लागू हो, रेडियोधर्मी सामग्री के लिए पैकेज डिजाइन/विशेष फार्म के अनुमोदन का आईआरबी, मुंबई द्वारा या पैकेज डिजाइन के मूल स्रोत के देश के सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी वैध प्रमाण-पत्र ।
- (iii) विदेश में आयातकर्ता से रेडियोधर्मी सामग्री परेषण की प्राप्ति के लिए उसकी सहमति का उल्लेख करने वाला प्रमाण-पत्र ।
- (iv) आईएमडीजी संहिता श्रेणी-7 में आवश्यक नौवहन/परेषक का घोषणा पत्र ।

(3) मार्गस्थ समय :-

- (i) रेडियोधर्मी सामग्री कार्गो ले जा रहे जहाज के मार्गस्थ होने की स्थिति में, परेषक/नौवाहक को विहित प्रपत्र में (अनुसूची I में वर्णित फार्म VI) हस्ताक्षरित घोषणा पत्र प्रस्तुत करना चाहिए जिसे रेडियोधर्मी सुरक्षा प्रभाग (आरएसडी), आईआरबी, मुंबई द्वारा प्रतिहस्ताक्षरित किया गया हो ।
- (ii) परेषक से रेडियोधर्मी सामग्री कार्गो के लिए परिवहन सूचना ।

(ग) सामान्य अनुदेश :-

- (i) निर्यात कार्गो को पत्तन में रखा नहीं जाएगा और कंटेनर प्रस्थान से ठीक पहले सीधे लाकर जहाज पर लादे जाने चाहिए ।
- (ii) आयात कंटेनर तत्काल उतारकर सीधे सुपुर्दगी के लिए भेज दिए जाने चाहिए ।
- (iii) अपरिहार्य परिस्थितियों में, निर्यात या आयात कंटेनर सक्षम प्राधिकारी की उचित अनुमति लेकर कंटेनर यार्ड में किसी निर्दिष्ट एवं अलग स्थान पर अल्प अवधि के लिए रखे जा सकते हैं ।
- (iv) कंटेनर की गतिविधि के बारे में जहाज के अधिकर्ता द्वारा अग्रिम तौर पर सुरक्षा अनुभाग, पत्तन अग्निशमन केंद्र, कंटेनर टर्मिनल एवं गोदी सुरक्षा निरीक्षणालय को सूचित किया जाना चाहिए ।

7. संक्षारक पदार्थों का प्रहस्तन एवं भंडारण: आईएमडीजी संहिता श्रेणी-8

(क) परिभाषा एवं वर्गीकरण:- इस श्रेणी के पदार्थों में जीवित ऊतकों को जबरदस्त नुकसान पहुँचाने का गुणधर्म पाया जाता है । ये पदार्थ भाप निकालते हैं जिसके कारण श्लेष्मल झिल्ली (म्यूकॉस मेम्ब्रेन) में जलन हो सकती है, कुछ भाप विषैली भी हो सकती हैं । इसलिए यह बहुत आवश्यक है कि ऐसे कार्गो का प्रहस्तन करने वाले सभी लोगों एवं इन पदार्थों के सम्पर्क में आ सकने वाले लोगों को उचित व्यक्तिगत सुरक्षात्मक उपस्कर प्रदान किए जाने चाहिए ।

(ख) संक्षारक पदार्थों के प्रहस्तन एवं भंडारण के लिए सावधानी बरतने के उपाय:-

- (i) ऐसे कार्गो अन्य श्रेणी के कार्गो से पूरी तरह अलग रखकर प्रहस्तित किए जाने चाहिए एवं अम्लों और क्षारों को पूरी तरह अलग रखने के लिए विशेष सावधानी बरती जानी चाहिए ।
- (ii) पात्र/कार्गो पूरी सावधानी के साथ उठाए-रखे जाने चाहिए एवं किसी प्रकार की टूट-फूट या छलकाव को रोकने के लिए उन्हें हमेशा बिल्कुल सीधी स्थिति में रखा जाना चाहिए ।
- (iii) कोई भी क्षतिग्रस्त पात्र/कार्गो अलग रखा जाना चाहिए एवं सक्षम प्राधिकारी के अनुदेशों के अनुसार ही उसे आगे बढ़ाया जाना चाहिए एवं त्वचा के सीधे सम्पर्क से बचने के लिए अत्यंत सावधानी बरती जानी चाहिए ।
- (iv) इस श्रेणी के 61 डिग्री सेल्सियस से कम ज्वलनांक के माल, परिभाषा के अनुसार ज्वलनशील माल हैं तथा इसलिए ऐसे मामलों में प्रहस्तन एवं भंडारण हेतु सभी सावधानियां बरती जानी चाहिए ।
- (v) इन मालों का भंडारण ढँके हुए स्थान पर किया जाना चाहिए एवं जब ऐसा करना संभव न हो तब उनका भंडारण अन्य कार्गो से पूरी तरह अलग एवं ठीक प्रकार से चिन्हित किए गए ढँके हुए प्लेटफार्म पर किया जाना चाहिए ।
- (vi) जब कभी भी संक्षारक पदार्थों का कोई पात्र/कार्गो क्षतिग्रस्त हो जाए उसे सक्षम प्राधिकारी के निदेशानुसार अहानिकर बनाया जाना चाहिए या नष्ट किया जाना चाहिए ।

(ग) दुर्घटना की स्थिति में:-

- (i) निकटवर्ती लोगों को किसी सुरक्षित स्थान पर जाने का निदेश दें ।

- (ii) प्रभावित व्यक्तियों को अस्पताल ले जाने से पूर्व ताजे जल से अच्छी तरह धोते हुए तत्काल प्राथमिक चिकित्सा उपलब्ध कराएं।
- (iii) विशेष चिकित्सा सहायता बुलाएं।
- (vi) सक्षम प्राधिकारी को सूचित करें।
- (v) संक्षारक पदार्थों द्वारा दूषित सामानों के साथ-साथ छलकाव के क्षेत्र को विसंदूषित करने के लिए सक्षम प्राधिकारी, उचित कार्रवाई का इंतजाम करेंगे।

8. विविध खतरनाक पदार्थों का प्रहस्तन एवं भंडारण आईएमडीजी संहिता श्रेणी-9

(क) परिभाषा:—इस श्रेणी में कई पदार्थ आते हैं जो ऊपर बताई गई श्रेणियों में ठीक-ठीक शामिल नहीं होते हैं क्योंकि उनमें एक विशेष प्रकार का खतरा होता है जो अन्य श्रेणियों के लिए बने विनियमों की परिधि में पूरी तरह से नहीं आता है या जिनके परिवहन में अपेक्षाकृत कम जोखिम रहता है।

(ख) सामान्य आवश्यकता:—जब भी ऐसे पदार्थों को अनुमति देना हो तो सक्षम प्राधिकारी ऐसे पदार्थों के ज्ञात जोखिम एवं गुणधर्मों पर सावधानीपूर्ण विचार करेंगे एवं सावधानी बरतने के ऐसे उपाय निर्दिष्ट करेंगे जो प्रहस्तन एवं भंडारण के दौरान सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक हों।

(ग) विविध खतरनाक पदार्थों के प्रहस्तन एवं भंडारण के लिए सावधानी के उपाय:

- (i) इस श्रेणी के पदार्थों का प्रहस्तन करते समय सभी अपेक्षित सावधानियां बरती जानी चाहिए।
- (ii) सक्षम प्राधिकारी द्वारा बताई गई अन्य कोई सावधानी भी बरती जानी चाहिए।

अनुसूची- V

महत्वपूर्ण दूरभाष संख्याएं

जवाहरलाल नेहरू पत्तन न्यास

प्राधिकारी का नाम एवं पता	दूरभाष संख्या	
	कार्यालय	निवास
उप-संरक्षक	27244171	27473103
मुख्य प्रबंधक (प्रचालन)	27244181	27473110
वरिष्ठ गोदी अधिपति	27244173	27470513
चिकित्सा अधीक्षक	27243565	27473552
उप-कमाण्डेंट (कॉ.औ.सु.बल)	27244216	27472246
सहायक कमाण्डेंट (कॉ.औ.सु.बल)	27245061	27472323
वरिष्ठ प्रबंधक (कार्मिक एवं औ.सं.)	27244023	27473108
प्रबंधक (समुद्री संरक्षण एवं प्रदूषण नियंत्रण)	27245170	27473181
सहायक प्रबंधक (अग्नि एवं सुरक्षा)	27245173	27473201
अधीक्षक (सुरक्षा)	27245184	27482205
पारी प्रभारी (ब.ट.)	27245075
पारी प्रभारी (कॉ.ट.)	27245013
कॉ.औ.सु.बल का नियंत्रण केंद्र	27242275
अस्पताल	27473568/27243580
अग्निशमन केंद्र	27245100/27245000
पत्तन नियंत्रण केंद्र	27242367/27245151

पुलिस

प्राधिकारी का नाम एवं पता	दूरभाष संख्या
जिला पुलिस अधीक्षक, रायगड, अलिबाग	02141-222093
पुलिस आयुक्त, ठाणे	25344499
पुलिस आयुक्त, सीबीडी, बेलापुर, नवी मुंबई	27684860
सहायक आयुक्त, (यातायात पुलिस), सीबीडी, नवी मुंबई	27684860, 7576282
पुलिस नियंत्रण कक्ष, मुंबई	22620111, 2621855/100
पुलिस नियंत्रण कक्ष, रायगड	02141-222100
पुलिस थाना, उरण	27242264

सरकारी सेवाएँ

प्राधिकारी का नाम एवं पता	दूरभाष संख्या
उप-निदेशक, गोदी सुरक्षा निरीक्षणालय प्रचालन सेवा केंद्र, तीसरी मंजिल, जीपीओ के सामने, पी. डिमेलो रोड, मुंबई-400038	22692180 सीधे 22624321 विस्तार 3511/3558 फैक्स सं. 22613391 (टेलीफैक्स)
महानिदेशक, फैक्टरी सेवा सलाह एवं श्रम संस्थान, केन्द्रीय श्रम संस्थान, एन.एस. मानकीकर मार्ग, सायन, मुंबई-400022	24092203 फैक्स सं. 24071986
रेडियोधर्मी सुरक्षा प्रभाग, परमाणु उर्जा नियामक परिषद (एईआरबी), नियामक भवन, अणुशक्तिनगर, मुंबई-4000094 ईमेल: जीनई@एईआरबी.जीओवी.आईएन	25572989-91, 25572993-95 फैक्स सं. 25562344, 25565717, 25583230
सदस्य सचिव महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण मंडल, मुंबई	22659107, 22614348, 22692345 फैक्स सं. 22612320
क्षेत्रीय अधिकारी, महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, सीबीडी, बेलापुर, नवी मुंबई	27572739, 27572940
मुख्य नियंत्रक विस्फोटक तार का पता-विस्फोटक, नागपुर	0712-510102-3, 510578-80, 510459, 510389, 510670, 510248, 510026 फैक्स सं. 0712-510577
उप मुख्य विस्फोटक नियंत्रक, सीबीडी, नवी मुंबई	27575946, 27575967, 27573881
औद्योगिक सुरक्षा एवं स्वास्थ्य निदेशालय, मुंबई	24942230
जिला कलेक्टर, रायगड, अलिबाग	02141-222001, 222118
उप जिला कलेक्टर, रायगड, अलिबाग	02141-222081
होमगार्ड, रायगड, अलिबाग	02141-222012
नगर आयुक्त, सीबीडी, नवी मुंबई	27571095
महाराष्ट्र राज्य विद्युत मंडल, उरण	27222235 विस्तार 400
तहसीलदार, उरण, रायगड	27222352

MINISTRY OF SHIPPING, ROAD TRANSPORT AND HIGHWAYS

(Department of Shipping)

(Ports Wing)

NOTIFICATION

New Delhi, the 20th March, 2007

G.S.R. 209(E).—In pursuance of Sub-section (1) of Section 124 of the Major Port Trusts Act, 1963 (38 of 1963), the Central Government hereby approves the Dangerous Goods (Arrival, Receipt, Transport, Handling and Storage) in Jawaharlal Nehru Port Regulations, 2007 made by the Board of Trustees of Jawaharlal Nehru Port, in exercise of the powers conferred on them by clauses (k) to (n) of section 123 of the said Act and published in the Maharashtra State Government Gazette vide number A/PE/R-01/05/3021 dated the 7th September, 2006 and number A/PE/R-01/05/3021 dated the 14th September, 2006 as specified in the Schedule annexed to this notification.

2. This said regulations shall come into force from the date of publication in the Official Gazette.

SCHEDULE-I

Dangerous Goods (Arrival, Receipt, Transport, Handling and Storage) in Jawaharlal Nehru Port Regulations, 2007

1. Short title and commencement.—(1) These regulations may be called “Dangerous Goods (Arrival, Receipt, Transport Handling and Storage), in Jawaharlal Nehru Port Regulations, 2007”.

(2) These regulations come in to force on expiry of 30 days from the date of their publication in the official gazette.

(3) Nothing contained in these regulations shall be deemed to be derogatory to the provisions of the Merchant Shipping Act, 1958, the Explosives Act, 1884, the Petroleum Act 1934, the Inflammable Substance Act, 1952, the Environment Protection Act, 1986, the Dock Workers (Safety, Health and Environment) Act, 1986, the Insecticides Act, 1968, the Atomic Energy Act, 1962, Public Liability Act, 1991, Central Motor Vehicle Act, 1988, and the rules, regulations made thereunder or any other statutory rules and regulations.

2. Definitions.—In these Regulations, unless the context otherwise requires,—

(a) “Act” means the Major Port Trust Act 1963 (Act No. 35 of 1963)

(b) “Board” means the Board of Trustees of the Jawaharlal Nehru Port Trust,

(c) “Chairperson” means the Chairperson of the Board of Trustees of the Jawaharlal Nehru Port and any person appointed to act in his or her place,

(d) “Chief Manager (Operations)” means the Head of the Operations Department appointed by the Central Government and includes any other officer acting under his authority,

(e) “competent authority” for the purpose of these regulations means an Officer duly appointed by the Board of the Jawaharlal Nehru Port to administer the provisions of these regulations,

(f) “dangerous goods” means any cargo which due to its explosiveness, inflammability, radioactivity, toxic or corrosive properties, or other similar characteristics, may cause injury, adversely affect the human system, loss of life or property while handling, transporting, shipping or storing and which is classified as such by any international or national standards and also includes any other goods, which the competent authority may specify as dangerous goods and also includes any empty uncleaned packagings (such as tank containers, receptacles intermediate bulk containers, bulk packagings, portable tanks or tank vehicles) which previously contained dangerous goods, unless packagings have been sufficiently cleaned of residue of dangerous goods and purged of vapours so as to nullify any hazard or have been filled with a non-dangerous substance,

(g) “Deputy Chairperson” means the Deputy Chairperson of the Board of the Port and includes any person appointed to act in his or her place,

(h) “Deputy Conservator” means the Head of the Marine Department appointed by the Central Government and includes any other officer acting under his authority,

(i) “destuffing” means removal of cargo from the container,

(j) “EmS” means Emergency Procedures for Ship carrying dangerous goods,

(k) “handling” means the operation of loading and unloading of dangerous goods to and from a vessel or board, railway wagon or vehicle, transfer to and or from or within a storage area or within a vessel and transshipment between vessel and any ancillary operations in the port area and includes stuffing and destuffing of freight container,

(l) “hazardous cargo or goods” means dangerous goods,

(m) “hot work” means any work which involves welding, burning, soldering, brazing, blasting, chipping by spark-producing tools, use of certain power driven tools, non-flame proof electrical equipment or equipment with internal combustion engines and including any other work which is likely to produce sufficient heat, capable of igniting inflammable gases or a flammable substance,

- (n) "IMDG Code" means latest edition of 'International Maritime Dangerous Goods Code' issued by 'International Maritime Organisation, London',
- (o) "IMO" means 'International Maritime Organisation, London',
- (p) "Inspector of dangerous goods" means a person appointed by the Board responsible to the competent authority to ensure compliance with these regulations with regard to any handling or transport or storage of dangerous goods.
- (q) "marine pollutants" means substances which, because of their potential to bioaccumulate in seafood or because of their high toxicity to aquatic life, are subject to the provisions of Annex III of MARPOL 73/78, as amended,
- (r) "Master" means any person having charge or command of a vessel and does not include a Pilot, Dock Master, Senior Dock Master, Harbour Master or Deputy Conservator,
- (s) "MFAG" means Medical First Aid Guide for use in accidents involving dangerous goods,
- (t) "owner" in relation to goods includes any consignor, consignee, shipper or agent for the sale, custody, loading or unloading of such goods.
- (u) "owner" in relation to a vessel includes the person to whom the vessel or share in the vessel belongs, a charterer, consignee or mortgagee in possession thereof,
- (v) "Pilot" means a person authorised to pilot the vessels.
- (w) "port approaches" in relation to the Port means those waters of the sea and channels leading to the ports of Jawaharlal Nehru and Mumbai,
- (x) "rate" includes any tool, dues, rent, fee or charge leviable under the Major Port Trust Act, 1963 and Indian Ports Act, 1908, as amended from time to time,
- (y) "responsible person" means a person appointed by the owner of the goods or Master and empowered to take all decisions relating to the tasks of transport, handling and storage of dangerous goods and having necessary knowledge and experience for that purpose,
- (z) "stowage" means filling up of the container with goods,
- (za) "tank container" means container specially built for transporting and distributing liquids and gases in bulk in accordance with such container as may be required.
- (zb) "tanker" means a vessel designed to carry liquid petroleum cargo in bulk including a combination carrier when being used for this purpose and includes chemical carriers carrying liquid chemicals in bulk,
- (zc) "terminal" means a place where vessels are berthed or moored for the purposes of loading cargo and discharging of cargo, etc.
- (zd) "terminal manager" means the Manager in-charge of a terminal or berth and includes any other officer acting under his authority,
- (ze) "transport" means the movement of dangerous goods by one or more modes of transport in Port,
- (zf) "transporter" when used in relation to movement of goods includes any person owing goods carriage, supervisor, or in-charge of such transport,
- (zg) "unstable substance" means a substance which, by nature of its chemical make-up, tends to polymerise or otherwise react in a dangerous manner under certain conditions of temperature or in contact with a catalyst,
- (zh) "vessel" includes every description of watercraft including non-displacement craft and seaplanes on water, used or capable of being used as a means of transportation on water,
- (zi) The words and expressions used but not defined in these regulations shall have the meanings as respectively defined in the Major Port Trust Act, 1963.

3. Classification of dangerous goods in Jawaharlal

Nehru Port.—(1) Classification.—For the purpose of these regulations dangerous goods will be classified in accordance with the International Maritime Dangerous Goods Code issued by 'International Maritime Organisation, London'.

Classification of dangerous goods :—

IMDG Class	Description
1	Explosives
2.1	Gases—Flammable
2.2	Gases—Non-flammable
2.3	Gases—Poisonous
3	Flammable liquids
4.1	Flammable solids
4.2	Solids liable to spontaneous combustion
4.3	Solids which in contact with water emits inflammable gases.
5.1	Oxidising substances
5.2	Organic peroxides

- 6.1 Poisonous or toxic substances
- 6.2 Infectious substances
- 7 Radioactive substances
- 8 Corrosive substances
- 9 Miscellaneous dangerous goods, i.e. other substances which experience have shown or may shown to be of such dangerous character, are to be treated as dangerous goods.

(2) **Evaluation of the hazards.**—The shipper or consignee shall be advised to apply to the Directorate General of Shipping, Government of India for the evaluation of the hazards of the harmful substances under the provisions of Merchant Shipping (Dangerous Goods) Rules, if not notified by International Maritime Organisation, London.

4. Handling restriction for dangerous goods in Jawaharlal Nehru Port.—(1) Cargoes of all classes will be handled through Jawaharlal Nehru Port, except cargoes of Class I, that is Explosives.

(2) Cargoes of Classes 6.2 and 7 that is Infectious Substances and Radioactive Substances respectively will be allowed into the Jawaharlal Nehru Port for direct shipment or delivery only.

5. Procedure for authorization for dangerous goods.—(1) Arrival of the vessel—Advance notification :—

- (a) The owner or agent of a vessel shall apply to discharge or load dangerous goods to the competent authority with the following documents at least 48 hours (forty eight hours) in advance before the vessel's arrival in Port :
 - (i) Application for discharging or loading dangerous goods as specified in Form-I of Schedule-I.
 - (ii) Dangerous goods declaration as specified in Form-II of Schedule-I.
 - (iii) Multimodal dangerous goods as specified in Form III of Schedule-I.
 - (iv) Dangerous goods declaration Form IV-in case of import of gas cylinder as specified in Schedule-I.
 - (v) A detailed stowage plan dealing with dangerous goods and their location on board shall be given.
 - (vi) Container packing certificate for export cargo only if required.
 - (vii) Transport Emergency Card (TREM CARD).
- (b) Advance notification should also be given for in-transit dangerous goods.
- (c) Advance notification should also be given when a ship or a container arrives under fumigation containing the name of the fumigant and the date of application.

(d) Advanced notification shall be given to Deputy Conservator, Terminal Authority, Safety Section, and Inspectorate Dock Safety.

(2) **Deposit.**—The port shall collect a refundable deposit from owner or agent to cover an estimated cost of handling, storage escort and disposal of goods and amount so deposited shall be refundable after cargo is duly discharged or loaded or handled as per instruction in the permit issued under sub Regulations 3 of 5.

(3) **Grant of Permit.**—The competent authority or an officer authorised to act on his behalf on receipt of the requisite documents and the deposit shall give instructions to the owner or agent specifying the mode of discharge, storage, separation requirements, equipment to be made available and any other conditions concerning safety of the port or the vessel and in relation to the container cargoes the competent authority shall also designate the areas or depot where the container shall be stuffed or destuffed.

(4) **Commencement of cargo discharging or loading.**—

- (a) The Master or agent shall submit a ship shore checklist in Form-V as specified in Schedule-I to the competent authority prior to handling of dangerous goods by his vessel in Port.
- (b) The vessel may commence discharging and or loading of dangerous goods only after obtaining instructions from the competent authority; as specified in sub-regulation (iii) of regulation 5 and after the competent authority or Inspector of dangerous goods has satisfied himself of the correctness of the checklist and any other declaration made by the owner or agent or Master.

6. Restriction on handling and storage of dangerous goods.—(1) All categories of dangerous goods except IMDG Class I that is explosives, shall be transported, handled and stored at Jawaharlal Nehru Port.

(2) IMDG Classes 6.2 and 7 that is Infectious Substances and Radioactive Material respectively, shall have no cut-off time for export cargo and the container should be loaded directly on the ship just prior to sailing and the import container should be discharged immediately and cleared on the direct delivery basis.

(3) Stuffing or destuffing of dangerous goods containers or storage or handling or transportation of dangerous goods in break bulk form shall be permitted in an approved dangerous goods shed or godown under the supervision of the Inspector of dangerous goods.

(4) Segregation of various classes of dangerous goods stored at Jawaharlal Nehru Port shall be in accordance with IMDG recommendations as specified in Schedule-II.

(5) The competent authority may refuse permission

to dangerous goods, intended for storage within or transit, through the port, if it is considered that their presence is likely to endanger life or property, because of their condition, the condition of their mode of conveyance, or the conditions that may be prevailing in the port.

(6) The competent authority may order the removal of such substances or packages, freight container, portable tank, vessel or vehicle containing, it to any other place or to sea as considered necessary, if any dangerous goods within the port area constitute an unacceptable hazard.

(7) Unsuitable substances shall not be accepted unless all conditions necessary to ensure its safe transport and handling have been met and properly certified.

(8) (a) The competent authority may dump into the sea or otherwise destroy such dangerous goods, in a safe manner in consultation with Customs and Pollution Control Board, which in their opinion endanger the safety of the port and where such dangerous goods are so dumped or destroyed, the owner or agents of the goods shall not be entitled to any compensation whatsoever.

(b) The port may remove or restow any dangerous goods, which have been handled or transported contrary to the instructions of the competent authority, and the expenses may be recovered from the deposits or from the sale of the cargo, if the deposit is not adequate to meet these expenses.

(9) The vessel will retain on board all the pollutants and stop pollution caused by the leakage of any dangerous cargoes and take every precaution as per anti pollution regulations of the port.

(10) The competent authority shall direct the handling of marine pollutants and every precaution shall be taken to ensure that such pollutants are not dumped in the marine environment or dumped at sea.

(11) When the owner or agent seeks to import cargo, which is dangerous, but not covered by the IMDG Code, sufficient notice shall be given to the competent authority to arrange for the modalities for the reception of such cargo, failing which such cargo may be refused entry.

7. Packing of Dangerous Goods.—(1) The packaging of dangerous goods shall be in accordance with the latest amendment of IMDG Code and need identifiable supervision.

(2) Incompatible goods (including goods to be stowed away from one another) as well as dunnage or packing material liable to interact with other substances should not be packed into the same container.

(3) Dangerous goods, which may cause damage by taint, odour or contamination to other products, should

not be packed into the same container with goods susceptible to such damage. Foodstuff should not be packed into the same container having toxic material.

(4) When planning to stuff, the following should be kept in mind.—

- (a) The cargo weight should be distributed evenly over the container floor. In no case, should more than 60 per cent of the load be on less than half the floor surface area.
- (b) The goods should be tightly stowed; maintaining a level surface as far as is practicable.
- (c) Liquids should not be stowed on top of dry goods. The relevant resistance of the lower layer should not be disregarded.
- (d) Heavy goods should not be placed on top of light goods.
- (e) Packing susceptible to damage, especially cargo should be protected against sharp and projecting angle or parts by the use of appropriate dunnage and protective material.
- (f) The goods that cannot be stacked should be secured against movement; adequate dunnage material should be used to prevent the goods from shifting.
- (g) As a rule, barrel should be packed last close to the container door.
- (h) Vented packages should be packed upright and in such a manner that vents are not obstructed.
- (i) The cargo in the container should be secured against movement during transport.
- (j) The material used should not be susceptible to interaction with dangerous cargo.
- (k) If any safety gear is provided with the container, the same should be used.
- (l) The goods close the door should be secured in such a manner that they do not fall out when the door is opened.
- (m) Unloading procedures should be borne in mind when packing container for simplicity of supervision; identical goods should be packed together. It is useful to simplify identification of such goods by adequate labelling.

(5) Special packing instructions on individual packaging should be followed that is goods marked "Protect from frost" should be stowed away from container walls.

(6) Dangerous goods forming only part of a load should be stored for preference towards the rear end door of the container if this is compatible with other recommendations.

8. Marking, labelling and placarding.—The marking, labelling and placarding of containers having

dangerous goods shall be in accordance with the latest amendment of IMDG Code.

9. Responsible person to be in-charge of operation.—(1) Master of the ship shall whenever dangerous goods are loaded or discharged depute a responsible person to personally supervise the operations. Such officer shall take all precautions as are necessary under the IMDG Code and these regulations.

(2) Stuffing and destuffing of dangerous goods in the freight containers shall be undertaken as per recommendations of IMO and Inspector of dangerous goods under supervision of responsible person.

(3) A responsible officer shall supervise discharging or loading operation of containers at container terminal.

10. Split or spoiled packages or drums or receptacles etc. to do destroyed.—The dangerous goods shall immediately be carefully collected and disposed of or destroyed under guidance of the competent authority if any dangerous goods escapes or leaks from the packages or drums or receptacles in which it is contained, or is split.

11. Spill recovery and clean up of dangerous goods.—The dangerous goods shall immediately be carefully collected and disposed off or destroyed and the contaminated area shall be immediately cleaned under guidance of the competent authority, if any dangerous goods escapes or leaks from the packages or drums or receptacles.

12. Employment of children, intoxicated persons and certain other persons.—No person shall employ, allow or engage a person—

- (a) who has not completed the age of 18 years, or
- (b) who is in a state of intoxication, or
- (c) who is of unsafe mind for loading, unloading, storage or transport of dangerous goods or to enter any operational area where dangerous goods are handled, and stored.

13. Special provisions against accident and exclusion of unauthorised persons.—(1) No person shall commit or attempt to commit any act which may tend to cause a fire or explosion or spill causing pollution in or about any place in the port area where dangerous goods are handled, stored or transported :

Provided that nothing in this sub-regulation shall apply to any act which is necessary for the purpose of the storage, handling during transport of dangerous goods within the port area.

(2) Every person incharge of or engaged in the import, export, transport or handling of dangerous goods shall at all times—

- (a) comply with provisions of these regulations and the conditions of any licence relating thereto;

- (b) observe all due precautions for prevention of thefts and of accidents by fire or explosion;
- (c) prevent unauthorised person from having access to the dangerous goods;
- (d) prevent any other person from committing any such act as is prohibited under sub-regulation (1).

14. Obligation to take precautions.—(1) The owner or agent or transporter or Master of dangerous goods and occupiers or custodians of all premises within the port area shall always observe safety precautions specified by the competent authority and prescribed in these regulations and as specified in Schedule-III.

(2) The competent authority may take such action as is reasonable for the safety of the Port and or may impose a penalty of a minimum of Rs. 50,000/- or on every incidents noted, when dangerous goods are handled or stored within the port area, owner or agents or Master fail to take reasonable precautions to prevent accidents.

15. Responsibilities of the owner or agent or Master.—(1) The owner or agent or Master will abide by all the instructions as specified by the competent authority.

(2) The owner or agent shall ensure that containers have a current safety approval plate in accordance with the CSC 1972 Convention.

(3) The owner or agent shall make a true and correct declaration of the dangerous goods to be discharged or loaded in the port and those in transit through the port, whether in Containers or other packages.

(4) Cases or receptacles of each class of dangerous goods brought into the port shall conform strictly with the packaging standards stipulated in the latest IMDG Code. Such cases or receptacles shall remain in a sound condition while dangerous goods are handled in the port area.

(5) The preventive measures as may be directed by the competent authority shall be followed, if any case or receptacle of dangerous goods is damaged or starts leaking during handling in the port area.

(6) Repairs to the damaged cases or receptacle of dangerous goods or repackaging their contents shall be carried out under the supervision of the competent authority, subject to special restrictions as applicable to individual classes of dangerous goods.

(7) No case or receptacle of dangerous goods shall be opened anywhere within the port area except for the purpose of drawing samples by the customs in an approved manner or with permission to do so from the competent authority and such permission may be granted subject to such additional restrictions and precautions as may be considered necessary.

(8) Tools liable to produce sparks or heat or static charge shall not be used to open or close or repair case or receptacle of dangerous goods or for drawing samples and as far as it is possible to do so, samples shall be drawn by suction method without tilting the container.

(9) Handling of any dangerous goods, which are in a leaky, damaged or in a deteriorated condition, shall be only on the specific instructions of the competent authority.

(10) Provide every facility to the competent authority for inspection of dangerous goods.

(11) The owners or agents bringing dangerous goods shall ensure that all the formalities for the clearance of dangerous goods, especially with customs, are completed so that the delivery of such cargo can be taken immediately.

(12) Stuffing and destuffing of dangerous goods in the port if required, shall be undertaken as per recommendations of IMO and Inspector of dangerous goods.

16. Responsibilities of the Master.—(1) The Master of vessel carrying dangerous goods while approaching or leaving the port and during the time that it remains within the limits of the port shall exhibit conspicuously :—

- (a) between sunrise and sunset a red flag not less than 1 metre square, and
- (b) between sunset and sunrise a single red light visible all around the horizon.

(2) He shall whenever dangerous goods are loaded or discharged :—

- (a) depute a responsible person to personally supervise the operations and such officer shall take and or cause to be taken all precautions as are necessary under the IMDG Code and these regulations.
- (b) keep the fire fighting gears in readiness, with hoses and branch pipes connected.
- (c) ensure those repairs to any part of vessel requiring use of open flame or open fires are not carried out.
- (d) blank carefully fire in engine room and extinguish all other fire or non-safety lights.
- (e) maintain efficient and effective communication with the shore.
- (f) provide and use when necessary the equipment specified in the EmS schedule and MFAG published by the IMO.
- (g) provide access and facility to the officials of the port for the inspection of the dangerous goods.
- (h) ensure that no damaged, leaky containers or packages of dangerous goods are loaded either in ship or ashore with out the express permission of the competent authority of the port.
- (i) ensure that appropriate personal protective equipment is used by those engaged in handling of these dangerous goods and also ensure that the cargo gear handling equipment and the

accessories used conform to the safety requirement for safe handling of such goods.

- (j) ensure that all the dangerous goods are correctly declared as required by the IMDG Code and the port and are correctly labelled and marked as per latest IMDG Code before discharging.

17. Responsibilities of barge owner or operator.—

(1) Barges carrying dangerous goods shall not load different classes of cargoes which are incompatible and shall maintain sufficient segregation between classes when carrying more than two classes, which are compatible and in every case, the instructions given by the Inspector of Dangerous Goods or the competent authority will be complied with.

(2) Surface area in holds as well as on deck of barges or lighters carrying dangerous goods should be of non-friction and non-sparking type.

(3) Lighting of naked lights or open flames on barges carrying dangerous goods at any place is strictly prohibited.

(4) A safe distance of 9.0 meters (nine meters) should be maintained between two barges berther alongside at any designated wharf or pier.

(5) Two or more barges will not be Double-Banked while loading or discharging, unless permitted by the competent authority.

18. Responsibilities of Transporter.—(1) The transporter of every goods carriage transporting dangerous goods shall ensure that the driver of the goods carriage has received adequate instructions and training to enable him to understand the nature of the dangerous goods being transported by him, the nature of the risks arising out of such goods, precautions he should take while the goods carriage is in motion or stationary and the action he has to take in case of any emergency.

(2) It shall be the responsibility of the transporter of the goods carriage transporting any dangerous goods to ensure the following:—

- (a) that the goods carriage has a valid registration to carry said goods and the said carriage is safe for the transport of the said goods; and
- (b) the vehicle is equipped with necessary first-aid, safety equipment, toolbox and antidotes as may be necessary to contain any accident.

(3) It shall be the responsibility of the transporter to ensure that the driver of the goods carriage holds a valid driving licence.

(4) It shall be the responsibility of the transporter to ensure that the driver has ability to read and write at least one Indian language and English and also possess a certificate of having successfully passed a course constituting of a syllabus and periodicity as specified in Central Motor Vehicle Rules, 1899, connected with the transport of dangerous goods.

19. Responsibility of the driver.—Every driver of a goods carriage transporting dangerous goods shall observe at all times all the precautions necessary for preventing fire, exploding or escape of dangerous goods carried by him while goods carriage in motion and when it is not being driven he shall ensure that the goods carriage is parked in a place which is safe from fire, explosion and any other risks and is at all times under control and supervision of himself or some other competent person above the age of 18 years.

20. General.—(1) Handling and storage of dangerous goods shall be done as per latest amendment of IMDG Codes, Acts, mentioned as in Section 4 of this regulation.

(2) The owner or agent or Master shall strictly abide by the instructions for handling of these goods, as given by the competent authority.

(3) All the general precautions shall be strictly followed by the owner or agent or Master.

(4) The owner or agent or Master shall report accidents to the competent authority and respective government authority immediately telephonically as well as in prescribed format.

21. Fencing of Storage Yard.—Storage yards of dangerous goods or any such sites should be fenced off to prevent the entry of unauthorised persons and should have facilities for watchmen including adequate means of communications.

22. Decontamination.—(1) In case of spillage involving hazardous goods or substances decontamination measures appropriate to the goods or substance concerned shall be carried out under the competent supervision.

(2) If there is any reason to suspect leakage of dangerous goods or substances, entry into a hold or compartment should not be permitted until the Master or the responsible officer has taken all safety considerations into account and is satisfied that it is safe to do so.

(3) Trained staff wearing self-contained breathing apparatus and other protective clothing should only undertake emergency entry into the hold under other circumstances.

23. Handling and storage of radioactive material (IMDG CODE CLASS 7).—(1) This class comprises materials which spontaneously emit a significant radiation and of which the specific activity greater than 70 kBq or Kg (2μCi or g).

(2) Documentation—

(a) The owner or agent wishing to use the port for handling or transit of radioactive materials shall seek the advice of Atomic Energy Regulation Board (AERB) for instructions regarding the handling of these materials.

(b) The owner or agent should submit to the competent authority copies of the following well in advance to enable the port to make arrangements to receive this cargo.

(i) For import—

(1) Valid regulatory consent or no objection certificate issued by the Atomic Energy

Regulatory Board (AERB), Niyamak Bhavan, Anushaktinagar, Mumbai-400 094, for the import of radioactive material.

(2) Signed declaration on the arrival particulars of the cargo in the prescribed format (Form VI as specified in Schedule I), by the authorised consignee or importer, endorsed by AERB, Mumbai.

(3) Certificate from importer in India stating their consent for receiving the radioactive material consignment.

(4) Transport information for the radioactive material cargo from the importer or shipper.

(ii) For export—

(1) Valid regulatory consent or no objection certificate issued by the Atomic Energy Regulatory Board (AERB), Niyamak Bhavan, Anushaktinagar, Mumbai-400 094, for the export of radioactive material.

(2) Valid certificate of approval of package design or special form for radioactive material, issued by AERB, Mumbai or the competent authority of country of origin of the package design, wherever applicable as per IMDG Code Class-7.

(3) Certificate from importer abroad stating their consent for receiving the radioactive material consignment.

(4) Shipper or consignors declaration as required by IMDG Code Class-7.

(iii) In-transit—

(1) In case of ships, in-transit, carrying radioactive material cargo, signed declaration in the prescribed format (Form VI as specified in Schedule I) endorsed by Radiological Safety Division (RSD), AERB, Mumbai should be submitted by the consignor or shipper.

(2) Transit information for the radioactive material cargo from the consignor.

(3) General instructions.—

(a) There will be no cut-off time for export cargo and the container should be loaded directly on the ship just prior to sailing.

(b) The import container should be discharged immediately and cleared on the direct delivery basis.

(c) In case of unavoidable circumstances, the export or import container should be stored in the container yard at the designated and isolated place for a short period, with due permission from the competent authority.

(d) The Safety Section, the Port Fire Station, Container Terminal and Inspectorate Dock Safety should be informed, well in advance, by the ship's agent of the movement of the container.

24. Sealing, marking and labelling of containers containing dangerous goods.—(1) The container should be sealed after packing and should not be locked unless specifically agreed to by Inspector of dangerous goods.

(2) Packing, marking, and labelling of container containing dangerous goods should be carried out in accordance with IMDG Code.

25. Stowage of dangerous goods in the terminal.—The dangerous goods container will be stacked with regard to segregation requirements and in accordance with the loading plan.

26. Examination Area.—This is a fenced area near the container gate complex where containers require examination including customs, health, repackaging, the examination area shall have adequate lighting, fire fighting and closed drainage system.

27. Handling of dangerous goods container in the import direction.—(1) The owner or agent or Master of a vessel wishing to discharge dangerous goods shall submit to the competent authority the following documents at least 48 hours (forty eight hours) in advance before the vessel's dangerous goods arrival in port.

(a) Application for discharging or loading dangerous goods (Form-I as specified in Schedule-I)

(b) Dangerous Goods Declaration (Form-II as specified in Schedule-I)

(c) Multimodal Dangerous Goods form (Form-III as specified in Schedule-I)

(d) Dangerous Goods Declaration (Form IV- in case of import of gas cylinder as specified in Schedule-I)

(e) A detailed stowage plan dealing with dangerous goods and their location on board shall be given.

(f) Transport Emergency Card (TREM CARD)

(2) The competent authority on receipt of these documents will give instructions to the owner or agent or Master for landing the dangerous goods.

(3) The Master of any vessel calling at the port will give a signed declaration to the Pilot regarding the dangerous goods cargo (both for discharge in the port and in transit).

(4) After the ship berths, the Master shall submit a ship shore checklist (Form V as specified in Schedule-I).

(5) The dangerous goods container will on discharge be moved to the special dangerous goods storage block in the container yard where they are slacked in accordance with segregation requirements.

(6) The owner or agents bringing dangerous goods into the port shall ensure that all the formalities for the speedy clearance of goods are completed and the cargo cleared speedily so as not to pose a risk to the safety of the port and its environment and if the owner or agent or Master fails to do so or if the dangerous goods poses any hazard to the port environment, the competent authority may take such action as is reasonable for the safety of the port and recover any expenses from the owner or agent or Master of such goods.

(7) Customs clearance of dangerous goods will comply with the requirements of the customs authorities inspection or customs examination or drawing of samples requiring opening of cases or receptacles of dangerous goods within port area will take into account the safety precaution requirements of the class of dangerous goods and the manufacturers instructions regarding handling or unpacking.

28. Penalties.—(1) Any person who commits a breach of any regulations shall be liable to pay a penalty of an amount of not exceeding Rupees One Lakh only (Rs. 1,00,000/-) and if the breach continues, a further penalty of Rupees Five Thousand Only (Rs. 5,000) per day or part thereof for period during which the said breach continues. The penalty as aforesaid shall be in addition to the cost of any action that may be taken under applicable port regulations.

(2) The competent authority may with the concurrence of the Chairperson have the vessel removed from the berth, if the default continues.

29. Notice of accidents.—(1) The notice of an accident required to be given under respective section of respective act and rules or regulations made thereunder shall be given forthwith.—

(a) to respective Governmental Authorities (e.g. Inspectorate Dock Safety, Chief Controller of Explosives, Pollution Control Board, officer in-charge of the nearest Police Station etc.)

(b) to the Port Authority [Deputy Conservator, Superintendent (Safety) etc.]

(2) Pending the visit of respective Governmental Authority, the port authority or until instruction is received from respective Governmental Authority, the port authority that he does not wish any further investigation or inquiry to be made, all wreckage and debris shall be left untouched except in so far as its removal may be necessary for the rescue of persons injured and recovery of the bodies of any persons killed by the accident.

30. Inquiry.—Inquiry of accident shall be also carried out by the Port Authority.

31. Power to Exempt.—The Chairperson, on advice of the competent authority, may in exceptional cases exempt conditionally or unconditionally any person or consignment of dangerous goods from all or any of the provisions of these regulations.

32. Change.—The Chairperson on advice of the competent authority reserves right to change these regulations and procedures in these without any prior information at any moment.

[F.No.PR-16012/3/2005-PG]

A.K. BHALLA, Jt. Secy.

Schedule—II

Form—I

(see regulation—5, 27)

Application form for discharging and/or loading of dangerous goods

To

The Dy. Conservator,
2nd Floor, New Fire Station Building,
Jawaharlal Nehru Port Trust,
Sheva, Navi Mumbai

Sub : Application for discharging and/or loading of dangerous goods

Ref. : Name of the ship..... and Voyage No. and due date

Sir,

1. The above ship is expected to arrive at this port from (Name of Last Port) on (date).
2. She will be carrying on board dangerous goods for discharge at this port. (Enclose separate list in Form Nos. II, III, IV)
3. The ship also carries dangerous goods as transit cargo for the next port. (Enclose separate list in Form II, III)
4. We propose to load dangerous goods on the subject ship for the ports. (Enclose separate list in Form Nos. II, III which is applicable)
5. Please acknowledge and issue necessary permission and instructions for the above cargo on the lists attached.

Thanking you.

Yours faithfully,

Signature and name of agent of ship with seal

Encl.:

1. Dangerous Goods Declaration
2. Multimodal Dangerous Goods Form
3. Dangerous Goods Declaration—in case of import of compressed gas cylinder.
4. AERB/RSD Clearance

C.C. to:

1. Sr. Manager (Container Terminal)
2. Suprentendent (Safety)
3. Asstt. Director (Safety), Inspectorate Dock Safety

Form—II

(see regulation—5, 27)

Dangerous Goods Declaration

Ship's Name :

Voyage Number :

Last Port :

Next Port :

Sr. No.	Container Number	Correct Technical Name	Flash Point	UN Number, EmS, MFAG	Stowage position on board	Gross Quantity	Remark

Date :

Signature and name of Master or agent of ship with seal

Form—III

(see regulation—5, 27)

Multimodal Dangerous Goods Form

1. Shipper/Consignor/Sender		2. Transport document number	
		3. Page 1 of 1	4. Shipper's reference
		5. Freight forwarder's reference	
6. Consignee		7. Carrier (to be completed by the carrier)	
6-1 Notify party's		SHIPPER'S DECLARATION I hereby declare that contents of this consignment are fully and accurately described below by the Proper Shipping Name, and are classified, package, marked and labeled/placarded and are in all respects in proper condition for transport according to the applicable international and national government regulations. I undertake to hold the Carrier fully harmless and indemnify them against any and all losses, damage and expenses resulting from the failure to comply with the above.	
8. This shipment is within the limitation prescribed for PASSANGER AND CARGO		9. Additional handling information	
10. Vessel/flight No. and date	11. Port/place of loading		
12. Port/place of discharge	13. Destination		
14. Shipping marks *Number and kind of packages: description of goods Gross mass (kg) Net mass (kg) Cube (m ³)			

15. Container identification No. / vehicle registration No.	16. Seal number (s)	17. Container/ vehicle size & type	18. Tare mass (kg)	19. Total gross mass (including tare) (kg)
CONTAINER/VEHICLE PACKING CERTIFICATE I hereby declare that the goods described above have been packed/loaded in the container/vehicle identified above in accordance with the applicable provisions.** MUST BE COMPLETED AND SIGNED FOR ALL CONTAINER/VEHICLE LOADS BY PERSON RESPONSIBLE FOR PACKING/LOADING		21. RECEIVING ORGANIZATION RECEIPT Received the above number of packages/containers/ trailers in apparent good order and condition, unless stated hereon: RECEIVING ORGANIZATION REMARKS:		
20. Name of declarant		Haulier's name	22. Name of company (OF SHIPPER PREPARING THIS NOTE)	
Name/Status of declarant		Vehicle reg. no.	Name/status of declarant	
Place and date		Signature and date	Place and date	
Signature of declarant and company chop		DRIVER'S SIGNATURE	Signature of declarant and company chop	

* DANGEROUS GOODS

You must specify Proper Shipping Name, hazard class, UN No., packing group (where assigned) marine pollutant and observe the mandatory requirements under applicable national and international governmental regulations, For the purposes of the IMDG Code see 4.6.1

** For the purposes of the IMDG CODE see 5.4.2

Form—IV

(see regulation—5, 27)

Dangerous Goods Declaration-in case of import of gas cylinder

Declaration to be made by the Master of a ship carrying cylinders filled with compressed gas before entering a port or by the ship's agent

Name of the ship		Voyage Number:				
Description of filled cylinders	Chemical name and nature of the gas, whether flammable, corrosive or toxic	Total quantity carried in the ship		Quantity to be landed at port		Remarks
		No. of cylinders	Kg. or M ³ of gas	No. of cylinders	Kg. or M ³ of gas	

Dated the day of

Signature and name of Master or agent of ship with seal

Form-V

(see regulation-27)

Ships checklist for dangerous goods

Ship's Name : Voyage Number :
 Last Port : Next Port :
 Berth Number : Date :

Instruction for completion : All the questions to be answered in the affirmative. If an affirmative answer is not possible the reason should be give.

Sl.	Description	Yes	No	Remark
01.	Is the vessel securely moored			
02.	Is there an effective deck-watch in attendance on board?			
03.	Is the ship-shore communication system operative?			
04.	Are fire hoses & fire fighting equipment ready for immediate use?			
05.	Are sea and overboard discharge valves, when not in use, closed so that the pollution's are not discharge overboard?			
06.	Are 'NO SMOKING' signs prominent displayed in work area & smokes requirement being observed?			
07.	Are requirements for the use of galley & other cooking appliances being observed?			
08.	Are naked light requirements being observed?			
09.	Is the PPE available for use by the work force?			
10.	Is work area properly illuminated for the purposes of carrying on the work?			
11.	Is the handling equipment properly tested & certified & suitable for use? (if ship's equipment is used)			
12.	Are you ready to implement Emergency Management System Plan as prescribed for cargo?			
13.	Do you have the necessary antidotes on prescribed by MFAG code?			
14.	Are repairs involving hot work in the vicinity of the work place stopped?			
15.	Are the containers, packages, carboys, bottles or drums or any other means of packing are free of damage, free of leakage and otherwise safe for the purpose?			

Date :

Name & signature of Master with official seal

Note : No vessel will commence handling of dangerous goods unless the checklist is signed by Master. In addition, if any of the answers is in the negative permission of the competent authority is required prior to starting handling of dangerous goods.

Form-VI

(see regulation-23)

Clearance from AERB

Arrival/In-transit particulars of radioactive cargo to be submitted to RSD, AERB for port clearance (to be furnished by importer/shippers)

1. Package forwarded by (Consignor/Sender) :
2. Package addressed to (Consignee/receiver) :

3. Proper Shipping name :
 4. UN Class of dangerous goods :
 5. United Nation No. : UN no.
 6. Subsidiary risk (Corrosive/explosive, etc.) :
 7. (a) Name of Radioactive material :
(b) Form of Radioactive material : Special form/other than special form Gbq (Ci)
 8. Quantity/Activity of Radioactive Material :
 9. Package details :
(a) Dimensions of the package/container :
(b) Weight of the package :
(c) Type of package* :
(such as IP-1/2/3, A B (U)/(M), (C) :
 10. Radiation level on the surface of the package/container in mS/v/h. : m S/v/h
 11. Transport index of the package :
 12. Category of the package : I-white/II-yellow/III-yellow
 13. (a) Name of the ship/vessel :
(b) Voyage No. :
 14. Date of arrival of the ship/vessel :
(if exact date is not know, likely date of arrival) :
 15. Mode of transport from port to destination** :
(not applicable in case of in-transit shipments) :
 16. Any other information (which can be helpful) :
to port authorities in locating and identifying
the consignment) :
- *In case of Type B(U)/(M) or C package, Competent authority identification number should also be given.
- **It shall be ensured that TREMCARD is available with the carrier.
- I hereby declare that the contents of this consignment are fully and accurately described above.

Signature of authorised signatory of importer/shipper

Name and address

Seal of the institution

Date :

Ref: AERB/RSD/20—/

Date :

Based on the above information provided by the importer/shipper, RSD, AERB has no objection to the receipt of above cargo at the port. This consignment is safe from radiological safety point of view for loading, unloading, stowage or storage.

For in-transit shipment, it should be ensured that the radioactive cargo is not offloaded at the port.

Signature :

Name :

Seal :

Date :

SCHEDULE-III

SEGREGATION TABLE FOR DANGEROUS CARGOES IN PORT AREA

Classes		2.1	2.2	2.3	3	4.1	4.2	4.3	5.1	5.2	6.1	8	9
Flammable gases	2.1	0	0	0	s	a	s	0	s	s	0	a	0
Non-toxic, non-flammable gases	2.2	0	0	0	a	0	a	0	0	a	0	0	0
Poisonous gases	2.3	0	0	0	s	0	s	0	0	s	0	0	0
Flammable liquids	3	s	a	S	0	0	s	a	s	s	0	0	0
Flammable solids	4.1	a	0	0	0	0	a	0	a	s	0	a	0
Spontaneously combustible substances	4.2	s	a	S	s	a	0	a	s	s	a	a	0
Substances which are dangerous when wet	4.3	0	0	0	a	0	a	0	s	s	0	a	0
Oxidizing substances	5.1	s	0	0	s	a	s	s	0	s	a	s	0
Organic peroxides	5.2	s	a	S	s	s	s	s	s	0	a	s	0
Poisons (liquids and solids)	6.1	0	0	0	0	0	a	0	a	a	0	0	0
Corrosives (liquids and solids)	8	a	0	0	0	a	a	a	s	s	0	0	0
Miscellaneous dangerous substances and articles	9	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0

Note for the segregation table

Cargoes of classes 1 (except class 1.4S), 6.2 and 7 should be allowed in to the port area for direct shipment or delivery only. These classes have not been included in the table. However, if, through unforeseen circumstances, these cargoes have to be temporarily kept, it should be in designated areas. Segregation requirements of the individual class as stipulated in the IMDG Code should be considered by the port authority when specific requirements.

NOTE TO SEGREGATION TABLE

SEGREGATION ADVICE FOR THE TEMPORARY KEEPING OF DANGEROUS CARGOES IN PORT AREAS

1. The reception and keeping of dangerous cargoes of classes 1 (other than class 1.4S), 6.2 and 7 should be subject to special rules for each port as the handling facilities at each terminal or berth vary considerably. The rules should be agreed with the authorities responsible for the safety of the port.
2. All dangerous cargoes delivered to the port area should be marked, documented, packed, labelled or placarded in accordance with the IMDG Code.
3. The segregation of dangerous cargoes should be in accordance with Section 15 of the General Introduction to the IMDG Code as follows:

3.1 Packages/IBC/trailers/flat racks or platform containers

0 = no segregation necessary unless required by the individual schedules

a = away from—minimum 3 m separation required

s = separated from—in open areas, minimum 6 m separation required in sheds or warehouses, minimum 12 m separation required unless separated by an approved fire wall

3.2 Closed containers/portable tanks/closed road vehicles

0 = no segregation necessary

a = away from—no segregation necessary

s = separated from—in open areas, longitudinally and laterally minimum 3 m separation required in sheds or warehouses, longitudinally and laterally, minimum 6 m separation required unless separated by an approved fire wall

3.3 Open road vehicle/railway freight wagons/open-top containers

0 = no segregation necessary

a = away from—minimum 3 m separation required

s = separated from—in open areas, longitudinally and laterally minimum 6 m separation required in sheds or warehouses, longitudinally and laterally, minimum 12 m separation required unless separated by an approved fire wall

Notes :

1. For freight containers, portable tanks, lorries, flat racks or platform container trailers or rail wagons a distance of 3 m is equal to the width of a standard 20-foot container, or one rail track, one trailer lane or, in the case of successive rail wagons, the longitudinal buffer space.
2. The segregation table shown uses "0" to indicate no general segregation is required but that individual schedules of the IMDG Code must be consulted. The IMDG Code's general segregation table (15.1.16), however, uses as "X" instead of the "0" used in these Recommendations. The difference is intentional, to emphasize the difference in the use of the segregation tables.
3. Closed type unit means a unit in which dangerous goods are totally enclosed by sufficiently strong boundaries, such as a freight container, a tank or a vehicle. Units with fabric sides or tops are not closed type units.
4. General
 - 4.1. For dangerous cargoes with a secondary hazard, the segregation requirement for the secondary hazard should be applied when it is the more stringent. For cargo-transport units containing dangerous cargoes of more than one class, the most stringent segregation requirement should be applied.
 - 4.2. Dangerous cargoes in packaged non-containerized form, belonging to different classes, should not be stowed directly above each other. This applies also to packaged dangerous cargoes belonging to one class but having different secondary hazards and also to certain cargoes of class 8.
 - 4.3. containers, tank-containers and portable tanks containing dangerous cargoes, where practicable not be stowed directly above each other or overlap. Exemptions should only be allowed for containers which contain dangerous cargoes of the same class. This does not apply to containers with different cargoes of class 8. Where applicable, containers should be stowed in such a manner as to allow, when applicable, access to the doors and both sides at all times.
 - 4.4. Dangerous cargoes with poisonous labels or placards should be separated from foodstuff and animal feeds.
 - 4.5. The segregation requirements only apply to dangerous cargoes in storage areas and on vehicles in the port areas.
 - 4.6. All dangerous cargoes, except for individual packages, should, where applicable, be separated by a minimum distance of 1 m in order to permit access.

SCHEDULE-IV

Handling of IMDG Code Class 2 to 9

1. Handling and storage of gases : IMDG Code Class-2

- (a) Definition and classification :—This class covers all the type of gases/cargoes as per IMDG Code Class II and further subdivided as follows :—
 - (i) Class 2.1 : Flammable gases.
 - (ii) Class 2.2 : Non-Flammable gases.
 - (iii) Class 2.3 : Poisonous gases.
- (b) General requirements :—
 - (i) So far as fabrication, fittings, marking, colour code and labelling on cylinders manufactured in India are concerned, they shall conform to the requirements of the Gas Cylinder Regulations, 1981 if the capacity is up to 1000 litres and Static Mobile Pressure Vessel (Unfired) Rules, 1981 if the capacity exceeds 1000 litres. Cylinders imported shall in compliance with the IMDG Code, be marked to indicate that the appropriate authority has tested and certified the same.

- (ii) The valves of the cylinders or containers carrying gas shall be protected either by being so designed or else by the provisions of a set out metal cap securely attached to the body of the said cylinder or container. There will be no physical contact between metal cap and the valve or the valve body.
- (iii) Cylinders or containers of gas shall be marked or labelled legibly with the name of the gas. Cases in which cylinders or containers of gas are packed shall also be marked or labelled likewise.
- (c) Precautions for handling and use of gas cylinders :—
 - (i) Cylinders shall be adequately supported during handling.
 - (ii) Trolleys and cradles of adequate strength shall as far as possible be used when moving the cylinders.
 - (iii) The cylinders shall be handled carefully and not be allowed to fall upon one another or otherwise subjected to any undue shock.
 - (iv) Sliding, dropping or playing with cylinders is prohibited.
 - (v) Cylinders and cylinders containing liquefiable gases shall always be kept in an upright position and shall be so placed that they cannot be knocked over.
 - (vi) Cylinders used in horizontal position shall be secured that they cannot roll.
 - (vii) Open flames, lights, lighting of fires, welding and smoking shall be prohibited in close proximity to any cylinder containing flammable gases except those only in use for welding, cutting or heating.
 - (viii) All the gas cylinders or containers shall be stacked on trays when loading or handling or discharging. However, if this is not practicable, slings or any other safe method shall be used as prescribed by the competent authority.
 - (ix) Every care and precaution shall be taken to prevent the contamination of valves and fittings of the Cylinders/Containers by oily and fatty substances.
 - (x) Cylinders or containers containing flammable gases and toxic gases shall be handled separately and kept adequately separated from each other and from cylinders having other type of gases, at all times.
 - (xi) Cylinders or containers of gas shall at all times be protected from sunrays and other sources of direct heat.
 - (xii) Cylinders or containers of gas shall not be over stowed with other cargo.
- (d) Empty cylinders or containers :—These regulations are also applicable in the case of empty cylinders or containers unless they are effectively made gas free.

2. Handling and storage of flammable liquids in packed form : IMDG Code Class-3

(a) Definition and classification :—

- (i) This class cover flammable liquids packed in drums, receptacles and cases as per IMDG Code Class III. The containers for petroleum products shall conform to the requirements laid down in the Petroleum Act, 1934 and regulations framed there under.
- (ii) For the purpose of these regulations flammable liquids will be divided into the following groups depending upon flash points determined by closed cup test :
 - (1) Low flash point group of liquids having a flash point below—18°C (0°F)
 - (2) Intermediate flash point group of liquids having a flash point of—18°C (0°F) up to, but not including 23°C (73°F).
 - (3) High flash point group of liquids having a flash point of 23°C (73°F) up to and including 61°C (141°F).
 - (4) For the purpose of these regulations, liquids having a flash point above 61°C and below 93°C shall also be considered as flammable liquids when the same are being handled in the Port.

(b) Precautionary measures for handling and storage of flammable liquids :—

- (i) The liquids in this class are liable to polymerise and liberate dangerous gases and heat, possibly resulting in rupture of the receptacle. Therefore, utmost precautions and care should be taken when handling the container or receptacles holding these liquids. They should not be dropped, bumped, rolled or otherwise mishandled.
- (ii) The vapours from nearly all the liquids in this type have properties of narcotic effect to some degree. Labours handling them should be protected against this hazard.
- (iii) When these goods are loaded or unloaded or handled, they should be away from all the direct source of ignition, even in the transit, they should be kept in cool and well-ventilated places.

- (iv) All personnel working in this area or near vicinity are prohibited from bringing matches, lighters, flints, or any other material likely to cause ignition or spark.
- (v) Whenever a leaky drum is traced, it shall be isolated under the instructions of the competent authority.
- (vi) The packaging of these goods is such as to protect them from external source of ignition. If this is damaged it should be rectified under the instructions of the competent authority.
- (vii) Non sparking tools and suction methods should be used when drawing sample from these liquids.
- (viii) Segregation and separation of these cargoes *vis-a-vis* other cargoes shall be as prescribed in the IMDG code.

3. Handling and storage of solids : IMDG Code Class-4

- (a) Definition and classification :—For the purpose of these regulations solids will be divided into the three sub classes as below :—

- (i) Class 4.1 : Flammable solids :—The substances in this class are solids possessing the properties of being easily ignited by external sources, such as sparks and flames and of being readily combustible or of being liable to cause or contribute to fire through friction.
- (ii) Class 4.2 : Substances liable to spontaneous combustion :—The substances in this class are either solids or liquids possessing the common property of being liable spontaneously to heat and to ignite.
- (iii) Class 4.3 : Substances, which in contact with water emit flammable gases :—The substances in this class are either solids or liquids possessing the common property when in contact with water of evolving flammable gases. In some cases are liable to spontaneous ignition.

- (b) Precautionary measures for handling and storage of :—

- (i) Flammable solids (Class 4.1) are as follows :

- (1) Care shall be taken to ensure that the packages are not damaged during the handling. This cargo should not be dropped, bumped, rolled or otherwise mishandled.
- (2) Particular care shall be taken that there is no spillage of this cargo during handling. In the event of the spillage it shall be disposed off in a safe manner as prescribed by the competent authority.
- (3) Under no circumstances, any vehicle or machinery or other cargo be allowed to roll over these spillage of flammable solids.
- (4) It is particularly important to ensure that at every stage during loading or discharging or storage or shifting such cargo is handled away and at safe distance from other cargoes as may be prescribed by the competent authority.

- (ii) Substances liable to spontaneous combustion (Class 4.2) are as follows :—

- (1) Precautionary measures for Class 4.1 mentioned above are applicable to this category also. In addition they will be subject to the following restrictions :
- (2) If packed in hermetically sealed condition throughout the period then they can be allowed to remain within the Port area.
- (3) Flammable solids or substances liable to spontaneous combustion shall be transit stored in small stacks either inside the hazardous cargo shed or in any other premises indicated in the instructions covering individual consignments of such goods. Proper space shall always be left between such small stacks and between the stacks and the walls all round. The competent authority for the signs of overheating shall inspect such stacks regularly and periodically. In case any stack is found to be warmer than normal. Such stacks shall be broken up, cooled by aeration and restacked in a safe manner.

- (iii) Substances, which in contact with water emit flammable gases (class 4.3) are as follows :—

- (1) Precautionary measures for Class 4.1 and Class 4.2 mentioned above are applicable to this class also.
- (2) Flammable solids or substances, which in contact with water emit flammable gases, shall not be handled whenever it is raining. During all stages of handling and transit storage of such substances all possible precautions shall be taken to prevent such substances getting wet or exposed to damp air.
- (3) As some substances are liable to react dangerous even with the damp air, any container holding this cargo which is damaged or broken shall be handled as directed by the competent authority and he may take such action as is considered necessary for ensuring safety. He may even order the destruction of the container, if he deems it necessary.

4. Handling and storage of oxidising substances or organic Peroxides: IMDG Code Class-5

(a) Definition and classification :—For the purpose of these regulations oxidising substances or organic peroxides are divided into the following two sub groups :—

- (i) Class 5.1 ; Oxidising substances (Oxidising agents) :—These are substances which, although in themselves not necessarily combustible, may, either by yielding oxygen or by similar processes, increase the risk and intensity of fire in other materials with which they come into contact.
- (ii) Class 5.2 : Organic Peroxides :—Organic substances which contain the bivalent O-O structure and may be considered derivatives of hydrogen peroxide, where on or both of the hydrogen atoms have been replaced by organic radicals. Organic peroxides are thermally unstable substances, which may undergo exothermic self-accelerating decomposition. In addition, they may have one or more of the following properties :—

- (1) be liable to explosive decomposition.
- (2) burn rapidly.
- (3) be sensitive to impact or friction :
- (4) react dangerously with other substances.
- (5) cause damage to the eyes.

(b) Precautionary measures for handling and storage of :—

(i) Oxidising substances or oxidising agents (Class 5.1) are as follows :—

- (1) All the substances in this class have the property of giving off oxygen when involved in fire and mixture of these substances are readily ignited with combustible material sometimes even by friction or impact. Therefore, all the boats, all the places on the shore or warehouses should be thoroughly cleaned prior to receipt of this cargo.
- (2) Any damaged or leaky container shall be moved under the instructions of the Competent Authority.
- (3) In the event of spillage of this cargo, such spillage should be swept separately and disposed of as prescribed by the competent authority. Under no condition, should this spillage be rolled over by weight of any type.
- (4) These substances should particularly be well separated from acids, since they are liable to give off toxic gases.
- (5) It is necessary to thoroughly clean the barges and all the areas where this cargo was stored after its delivery or disposal.
- (6) Special restrictions on Ammonium Nitrate :—Ammonium Nitrate to be brought to the port should be certified to be free from organic impurities, as specified by the IMDG Code. A certificate of purity issued by the competent Government Authority in the country of manufacture will have to be produced before such cargo or vessel is allowed inside the docks. This rule will not apply to Ammonium Nitrate of fertilizer grade.

(ii) Organic Peroxides (Class 5.2) are as follows :—

- (1) Handling of Organic Peroxides—Receptacles of liquid organic peroxide shall be handled in dead upright position. Even slight tilt may lead to spillage. This liquid is liable to react violently with the metal of the receptacle or any other substance they contact, which may lead to violent explosion.
- (2) Other organic peroxides (not in the liquid state) shall be handled with utmost care, using landing cushions necessary thus avoiding frictional contact.
- (3) If any package or receptacles, containing organic peroxides is discovered to be in damaged or in a leaky condition, it should be drenched copiously with water and disposed of in a manner as directed by the competent authority. Repackaging or repair of the damaged receptacle is not permitted in the Port area.
- (4) While these goods are being handled, the fire hoses should be laid out with the fire crew in readiness throughout.
- (5) Contact of organic peroxide with the eye should be avoided and when working this type of cargo, necessary protective equipment is to be provided and used.
- (6) At all times, this cargo should be kept away from sparks, flame or any other source of ignition.
- (7) These cargo packages should be protected from direct sun's rays, stored, and handled in well-ventilated places.
- (8) Organic peroxides shall be handled separately isolated from any other cargo.

(9) This cargo should only be handled during the day light hours.

5. Handling and storage of Poisonous substances : IMDG Code Class—6

(a) Definition and classification :—For the purpose of these regulations poisonous substances are divided into the following two sub groups :

(i) Class 6.1 : Poisonous (toxic) substances :—“Toxic” has the same meaning as “Poisonous”. These are substances liable either to cause death or serious injury or to harm human health if swallowed or inhaled or by skin contact.

(ii) Class 6.2 : Infectious substances :—These are substances containing viable micro organisms or their toxins, which are known or suspected to cause diseases in animals or humans.

(b) Precautionary measures for handling and storage of poisonous substances :—

(i) Receptacles of poisonous substances brought in the port shall remain in a hermetically sealed or effectively closed condition so as to prevent escape in form of vapours or liquids or dust.

(ii) The receptacles or containers should be inspected prior to receipt of the barge and at all times, they are being handled. Any leaky or damaged receptacle should be moved only under the instructions of the competent authority.

(iii) The substance of this class, which has a flash point below 61°C, is also by definition a flammable liquid. Therefore, while handling such type of substance, all the care should be exercised as recommended for flammable liquid and they should be stored in a cool and well-ventilated place.

(iv) All receptacles containing such cargo shall be handled in an upright position to prevent spillage.

(v) These substances could be poisonous either by skin absorption, ingestion or inhalation. Therefore, labourers or any person involved in handling these substances should be protected by appropriate personal protective equipment as prescribed by the competent authority.

(vi) The receptacles of such substances should be handled well separated from the other cargo.

(vii) If and when these substances are stored in open they should be properly covered with weighted tarpaulin, inspected frequently to detect any leakage and the stack should be prominently marked with appropriate IMDG label, so that the people working in the vicinity can identify it as poisonous goods. However, these substances with a flash point of less than 61°C should be stored in a cool and well-ventilated place, as any flammable liquid is stored.

(viii) Disposal :—In case of damage or spillage during transit or storage, the disposal of the contents and of any other goods contaminated by the spillage shall be determined by the competent authority with the advice from the Port Health Officer and the Customs Officer shall be suitably informed.

(c) Action to be taken in the event of any accident involving poisonous substances :—

(i) Notify the competent authority.

(ii) Direct the men in the vicinity to move away to a safe area.

(iii) Arrange to send to the Port Trust Hospital men who are suspected to have been contaminated with the poison after giving first aid if practicable.

(iv) A responsible employee of the section shall accompany these men to convey to the duty doctor information regarding the name and known properties of the poison involved in the accident.

(v) Take suitable action for decontaminating the area of spillage (Goods contaminated by the split poison shall be isolated for disposal as stipulated).

(d) Decontamination :—In case of spillage involving poisonous substances of this class, particularly liquid pesticides, decontamination measures appropriate to the substance concerned shall be carried out under the competent supervision.

(i) If there is any reason to suspect leakage of some substances of this class, entry into a hold or compartment should not be permitted until the master or the responsible officer has taken all safety consideration into account and is satisfied that it is safe to do so.

(ii) Trained staff wearing self-contained breathing apparatus and other protective clothing should only undertake emergency entry into the hold under other circumstances.

6. Handling and storage of radioactive material : IMDG Code Class — 7

(a) Definition and classification :—This class comprises materials which spontaneously emit a significant radiation and of which the specific activity greater than 70 kBq/Kg (2 UCi/g).

(b) Documentation :—

- (i) The owner or agent shall seek the advice of Atomic Energy Regulation Board (Trombay) for handling or transit of radioactive materials.
- (ii) The owner or agent should submit to the competent authority copies of the following well in advance to enable the port to make arrangements to receive this cargo :

(1) For import :—

- (i) Valid regulatory consent/no objection certificate issued by the Atomic Energy Regulatory Board (AERB), Niyamak Bhavan, Anushaktinagar, Mumbai-400 094, for the import of radioactive material.
- (ii) Signed declaration on the arrival particulars of the cargo in the prescribed format (Form VI as specified in Schedule I), by the authorised consignee/importer, endorsed by AERB, Mumbai.
- (iii) Certificate from importer in India stating their consent for receiving the radioactive material consignment.
- (iv) Transport information for the radioactive material cargo from the importer/shipper.

(2) For export :—

- (i) Valid regulatory consent/no objection certificate issued by the Atomic Energy Regulatory Board (AERB), Niyamak Bhavan, Anushaktinagar, Mumbai—400 094, for the export of radioactive material.
- (ii) Valid certificate of approval of package design or special form for radioactive material, issued by AERB, Mumbai or the competent authority of country of origin of the package design, wherever applicable as per IMDG Code Class-7.
- (iii) Certificate from importer abroad stating their consent for receiving the radioactive material consignment.
- (iv) The shipper's or consignor's declaration as required by IMDG Code Class-7.

(3) In-transit :—

- (i) In case of ships, in-transit, carrying radioactive material cargo, signed declaration in the prescribed format (Form VI as specified in Schedule I) endorsed by RSD, AERB, Mumbai should be submitted by the consignor or shipper.
- (ii) Transit information for the radioactive material cargo from the consignor.

(c) General instructions :—

- (i) There will be no cut-off time for export cargo and the container should be loaded directly on the ship just prior to sailing.
- (ii) The import container should be discharged immediately and cleared on the direct delivery basis.
- (iii) In case of unavoidable circumstances, the export or import container should be stored in the container yard at the designated and isolated place for a short period, with due permission from the competent authority.
- (iv) The safety Section, the Port Fire Station, Container Terminal and Inspectorate Dock Safety should be informed, well in advance, by the ship's agent of the movement of the container.

7. Handling and storage of corrosives : IMDG Code Class - 8

- (a) **Definition and classification :—**Substances in this class have the property of severely damaging living tissues. The substances may emit vapours, which can cause irritation to the mucous membranes; some vapours can even be toxic. Therefore, it is very essential that all the people handling this cargo and likely to come in contact with this substance should be provided with appropriate personal protective equipment.
- (b) **Precautionary measures for handling and storage of corrosives :—**
 - (i) This cargo should be handled well separated from the cargo of other class and special care should be taken to ensure that acids and alkalis are well separated.
 - (ii) The Receptacles/Cargoes should be handled with extreme care and always in an upright position to prevent any damage or spillage.
 - (iii) Any damaged Receptacles/Cargoes shall be isolated and moved further under instructions of the Competent Authority and taking great care to avoid direct skin contact.

- (iv) The goods in this class with a flash point of less than 61°C shall be flammable goods by definition and therefore all precautions for handling and storage has to be taken in such cases.
- (v) These goods shall be stored in the covered space and when this is not possible they should be stored in the open on a covered platform well segregated from other cargoes and well marked.
- (vi) Whenever any receptacles or cargoes handling corrosive substances get damaged, they shall be rendered harmless or destroyed as directed by the competent authority.
- (c) In the event of an accident :—
 - (i) Direct men in the vicinity to move away to a safe area.
 - (ii) Render immediate first aid by giving copious wash of fresh water to the affected people prior to their removal to hospital.
 - (iii) Summon specialised medical aid.
 - (iv) Notify the competent authority.
 - (v) The competent authority shall organise suitable action for decontaminating the area of spillage as well as all the articles contaminated by the spilt corrosives.
- 8. Handling and storage of miscellaneous dangerous substances : IMDG Code Class - 9
 - (a) Definition :—This class includes a number of substances, which can not be properly brought under any of the precisely referred classes because they offer a particular danger which can not be properly covered by the regulations for the other classes or which presents a relatively low transport hazard.
 - (b) General requirement :—While giving the clearance for such substances the Competent Authority shall carefully consider the characteristic properties and known hazard of such substances and shall stipulate such precautionary measures as may be necessary for ensuring safety during their handling and storage.
 - (c) Precautionary measures for handling and storage of miscellaneous dangerous substances :—
 - (i) All the required precautions shall be taken while handling this class.
 - (ii) Any other precaution as advised by the competent authority shall be taken.

Schedule—V

Important Contact Numbers

Jawaharlal Nehru Port Trust

Name of Authority & Address	Contact Number	
	Office	Residence
(1)	(2)	(3)
Dy. Conservator	27244171	27473103
Chief Manager (Operation)	27244181	27473110
Senior Dock Master	27244173	27710513
Medical Superintendent	27243565	27473552
Dy. Commandant (CISF)	27244216	27472246
Asstt. Commandant (CISF)	27245061	27472323
Sr. Manager (P & IR)	27244023	27473108
Manager (Marine Conservancy & Pollution Control)	27245170	27473181
Asstt. Manager (Fire & Safety)	27245173	27473201
Superintendent (Safety)	27245184	27482205
Shift In-Charge (BT)	27245075	—
Shift In-Charge (CT)	27245013	—
CISF Control Station	27242275	—
Hospital	27473568/27243580	—
Fire Station	27245100/27245000	—
Port Control Station	27242367/27245151	—

Police

Name of Authority	Contact Number
(1)	(2)
District Superintendent of Police, Raigad, Alibag	02141—222093
Police Commissioner, Thane	25344499
Police Commissioner, CBD, Belapur, Navi Mumbai	27684860
Asstt. Commissioner (Traffic Police), CBD, Navi Mumbai	27684860, 7576282
Police Control Room, Mumbai	22620111, 2621855/100
Police Control Room, Raigad	02141—222100
Police Station, Sheva, Uran	27242264

Government Services

Name of Authority & Address	Contact Number
Dy. Director, Inspectorate Dock Safety	22692180 Direct
Operation Service Centre, 3rd Floor, Opp. GPO, P.D'Mello Road, Mumbai-400 038.	22624321 Ext. 3511/3558 Fax No.: 22613391 (Telefax)
Director General, Factory Advice Service & Labour Institute, Central Labour Institute, N.S. Mankikar Marg, Sion, Mumbai-400 022.	24092203 Fax No.: 24071986
Radiological Safety Division, Atomic Energy Regulatory Board (AERB), Niyamak Bhavan, Anushaktinagar, Mumbai — 400 094 Email : gen@aerb.gov.in	25572989-91, 25572993-95 Fax No.: 25562344, 25565717, 25583230
Member Secretary, Maharashtra Pollution Control Board, Mumbai	22659107, 22614348, 22692345 Fax No.: 22612320
Regional Officer, Maharashtra Pollution Control Board, CBD, Belapur, Navi Mumbai.	27572739, 27572940
Chief Controller of Explosives, Telegraphic Address :—Explosives, Nagpur.	0712-510102-3, 510578-80, 510459, 510389, 510670, 510248, 510026 Fax No.: 0712-510577
Dy. Chief Controller Explosives, CBD, Navi Mumbai.	27575946, 27575967, 27573881
Directorate of Industrial Safety and Health, Mumbai	24942230
District Collector, Raigarh, Alibag	02141—222001, 222118
Dy. District Collector, Raigarh, Alibag	02141—222081
Home Guard, Raigad, Alibag	02141—222012
Municipal Commissioner, CBD, Navi Mumbai	27571095
MSEB, Uran	27222235 Ext. 400
Tahsildar, Uran, Raigad	27222352